राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 25 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-268 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के 53वें चीफ जस्टिस बने जस्टिस सूर्यकांत, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस सूर्यकांत सोमवार को भारत के नए मुख्य न्यायाधीश बने। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद वह देश के लिए 53वें मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत के नए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पद की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

जस्टिस सूर्यकांत ने सीजेआई भूषण आर गवई की जगह ली है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सीजेआई गवई की सिफारिश के बाद 'संविधान के आर्टिकल 124 के क्लॉज (2) द्वारा दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए' जस्टिस सूर्यकांत को भारत का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया।

जस्टिस सूर्यकांत का जन्म 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के एक मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। उन्होंने 1984 में हिसार से अपनी लॉ यात्रा शुरू की और फिर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने के लिए चंडीगढ़ चले गए। इस दौरान उन्होंने कई तरह के संवैधानिक, सर्विस और सिविल मामलों को संभाला, जिसमें यूनिवर्सिटी, बोर्ड, कॉर्पोरेशन, बैंक और यहां तक कि खुद हाईकोर्ट को भी रिप्रेजेंट किया।

जुलाई 2000 में उन्हें हरियाणा का सबसे कम उम्र का एडवोकेट जनरल बनाया गया। इसके बाद, 2001 में उन्हें सीनियर एडवोकेट बनाया गया और 9 जनवरी 2004 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का परमानेंट जज बनाया गया।

बाद में, उन्होंने अक्टूबर 2018 से 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट में अपनी पदोन्नति तक हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर काम किया। नवंबर 2024 से वे सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी के चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे हैं।

बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र ने दुनिया को कहा अलविदा, फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर

मुंबई के विले पार्ले शमशान घाट पर अंतिम संस्कार, कई हस्तियां पहुंची

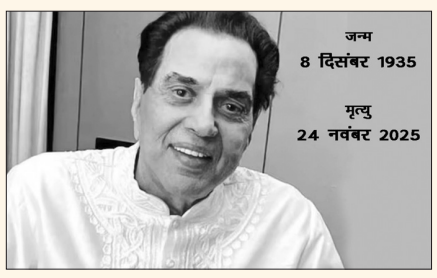

मुंबई (एजेंसी)। हिंदी सिनेमा के ही-मैन धर्मेंद्र ने सोमवार को 89 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर फैल गई और बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां उन्हें श्रद्धांजिल देने पहुंची। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को धर्मेंद्र के घर एक एंबुलेंस पहुंची थी, जिसके बाद से उनके फैंस को टेंशन हो गई थी, क्योंकि कुछ दिन पहले धर्मेंद्र की मौत की अफवाह फैली थी, लेकिन अब धर्मेंद्र ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेंद्र का निधन उनके 90वें बर्थडे से पहले हुआ। वह आगामी 8 दिसंबर 2025 को अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे। धर्मेंद्र को अंतिम विदाई विले पार्ले शमशान घाट पर दी गई जिन्हें श्रद्धांजलि देने अमिताभ बच्चन अपने नाती अगस्तय नंदा के साथ पहुंचे। इसके अलावा आमिर खान और ईशा देओल को भी वहां देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र की 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने अपने घर में आखिरी सांस ली। इसके बाद से सोशल मीडिया पर फैंस इमोशनल नजर आ रहे हैं। बता दें हाल ही में धर्मेंद्र की तबीयत खराब होने के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां वह 11 दिनों तक आईसीयू वार्ड में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे और इस बीच धर्मेंद्र के निधन की अफवाह भी फैली गई थी, जिस पर दिग्गज अभिनेता का पूरा परिवार गुस्सा हो गया था। वहीं अस्पताल से धर्मेंद्र की वीडियो भी रिलीज हुई थी, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। इस वीडियो में धर्मेंद्र अस्पताल के बेड पर थे और उनके चारों ओर उनकी फैमिली पत्नी प्रकाश कौर, सनी देओल, बॉबी देओल और दोनों बेटियां भी मौजूद थी। बता दें सोमवार 24 नवंबर को धर्मेंद्र का फिल्म इक्कीस से फर्स्ट लुक पोस्टर सामने आया था। इस फिल्म में वह लीड एक्टर अगस्त्य नंदा के पिता के किरदार में नजर आएंगे। यह धर्मेंद्र के करियर की आखिरी फिल्म है, जो आगामी 25 दिसंबर को रिलीज होगी। बता दें अभिनेता धर्मेंद्र ने 1960 में फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से बॉलीवुड में कदम रखा था और इसके बाद वह लोगों के दिलों पर छा गए और धर्मेंद्र की हिट फिल्मों में आई मिलन की बेला, पूजा के फूल, हकीकत, बाजी, सत्याकाम, आया सावन झूम के, राजा जानी, लॉफर, चुपके-चुपके, चरस, ड्रीम गर्ल, धर्म वीर, गजब, मेरा गांव मेरा देश और अपने जैसे फिल्मों में शानदार किरादार निभाया।

रनवे पर उतरा अफगानिस्तान का प्लेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। यहां अफगानिस्तान का एक विमान उड़ान भरने वाले रनवे पर उतर गया। गनीमत रही कि इस रनवे पर कोई दूसरा विमान नहीं था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। घटना रविवार दोपहर 12:06 बजे की है, लेकिन सोमवार सुबह मीडिया में आई। अफगानिस्तान की एरियाना एयरलाइंस की यह फ्लाइट एफजी 311 काबूल से आ रहा था। सूत्रों के मुताबिक, विमान को रनवे 29 लेफ्ट पर लैंडिंग की अनुमति दी गई थी, लेकिन पायलट ने गलती से इसे रनवे 29 राइट पर उतार दिया। यह रनवे आमतौर पर टेकऑफ के लिए इस्तेमाल होता है।

बंगाल में एक ही महिला का नाम 44 जगह दर्ज...

-नाम एक ही लेकिन अलग-अलग सरनेम, बीजेपी ने कहा, एसआईआर प्रक्रिया के कारण ये फर्जीवाड़ा सामने आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में 'वोट चोरी' आखिर पकड़ी गई! जी हां, ये सच हैं, पश्चिम बंगाल में वोटर सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान वोट चोरी का पर्दाफाश हुआ है, इस पर यकीन करना मुश्किल होगा। वहां जब स्कैनिंग शुरू हुई, तब मतदाता सूची ही रहस्यमय तरीके से बदली हुई दिखाई दी। एक ही महिला का नाम 44 जगह दर्ज है। अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग सरनेम के साथ महिला वोट कर रही है। उदाहरण के लिए हावड़ा में महिला का नाम मयरानी राय है, तब बांकुड़ा में मयरानी मुर, साउथ 24 परगना के मंडिरबाजार में मयरानी प्रमाणिक है, तब साउथ 24 परगना के कुलपी में मयरानी नाया, नॉर्थ 24 परगना में वह मयरानी मंडल के नाम से दर्ज है। यानी एक ही महिला इन 44 जगहों पर वोटर है।

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान, एक ही एन्यूमरेशन फॉर्म का क्यूआर कोड स्कैन करने पर पता चला कि उसी महिला का नाम एक साथ 44 अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची में शामिल है। उसके पति का नाम भी सभी वोटर सूची में शामिल है, लेकिन मजेदार बात ये हैं कि महिला का हर जगह सरनेम अलग है। इसतरह के वोटर-कार्ड फर्जीवाड़े का मामला पश्चिम बर्दवान के पांडवेश्वर विधानसभा क्षेत्र के बूथ 47 में सामने आया है।पश्चिम बर्दवान के जिला मजिस्ट्रेट पोननमलम एस. ने कहा, शिकायत की जांच हो रही है। मयरानी के मामले को लेकर बंगाल में हड़कंप मचा है। मयरानी पेशे से रसोइया का काम करती है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि तृणमूल कांग्रेस ने राज्यभर की मतदाता सूची में इस तरह फर्जी नाम जोड़ रखे हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास की भी उद्घोषणा : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना का 'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि वह भारत की आत्म-प्रतिबद्धता, आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास की उद्घोषणा थी। हमने दुनिया को दिखाया कि भारत लड़ाई नहीं चाहता, लेकिन यदि मजबूर किया गया तो भारत लड़ाई से भागता भी नहीं है। यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कही।

उन्होंने कहा कि अगर शांति को जीवित रखना है तो उसके भीतर शक्ति का ताप अनिवार्य है। यदि निर्दोषों की रक्षा करनी है तो बलिदान देने का साहस भी आवश्यक है। जो लोग हमारी सहिष्णुता को हमारी कमजोरी समझ बैठे थे, उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने ऐसा जवाब दिया जिसे वे आज तक नहीं भूल पाए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि भारत गीता का देश है, जहां करुणा भी है और युद्धभूमि में धर्म की रक्षा की प्रेरणा भी है। गीता हमें यह भी सिखाती है कि शक्ति और शांति एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। आज भारत विश्व में शांति का संदेश देता है। पूरी दुनिया भारत को शांति का प्रतीक मानती है, परंतु वास्तविकता यह है कि शांति तभी टिकती है, जब उसके पीछे आत्मविश्वास और बल का सहारा हो। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमने इस ज्ञान को हजारों वर्षों तक सुरक्षित रखा, पीढ़ी दर पीढ़ी पहुंचाया

और आज यह दुनिया के लिए प्रेरणा बन चुका है। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने साथ गीता लेकर अंतरिक्ष में जाती हैं। यह बताता है कि इस ग्रंथ का प्रभाव कितना व्यापक है।

राजनाथ सिंह ने कहा, 'दुनिया के तमाम विचारक और बड़े लोग जैसे आइंस्टीन, थोरो, टी.एस. इलियट, और एल्डस हक्सल इन सबको गीता पढ़कर लगा कि यह मानव विकास का यूनिवर्सल मैनुअल है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी पांडवों को यही समझाया था कि युद्ध बदले की भावना या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि धर्मपूर्ण शासन की स्थापना के लिए भी लड़ा जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने भगवान श्रीकृष्ण के संदेश का ही पालन किया। इस ऑपरेशन ने विश्व को संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध न तो मौन रहेगा और न ही कमजोर पड़ेगा। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र में समझाया था कि धर्म की रक्षा केवल प्रवचन से नहीं होती, उसकी रक्षा कर्म से होती है और ऑपरेशन सिंदूर वही 'धर्मयुक्त कर्म' था।

राजनाथ ने कहा कि कई विद्वान कहते हैं कि गीता ने उनको लीडरशिप, संतुलन और निर्णय लेने में नई स्पष्टता दी। यही कारण है कि आज गीता प्रबंधन, साइकोलॉजी, एथिक्स, और कानून हर क्षेत्र में पढ़ी और समझी जाती है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि यह ग्रंथ मानव जीवन को सबसे प्रभावी ढंग से समझाता है। अगर हम देखें तो दुनिया के अनेक बड़े विश्वविद्यालयों में आज गीता पर रिसर्च हो रही है। यह कोई साधारण बात नहीं। यह प्रमाण है कि गीता का ज्ञान केवल भारत के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए है।

उन्होंने कहा कि जिस बात को आज दुनिया इतना प्रचारित करती है, वह बात श्रीकृष्ण ने पांच हजार वर्ष पहले बता दी थी कि मनुष्य का व्यवहार उसके विचारों से बनता है और विचारों का शुद्धिकरण भक्ति और योग से होता है। कई बार लगता है कि रास्ता कठिन है, परिस्थितियां उलझी हुई हैं, लेकिन गीता कहती है ÷कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।÷ आपका अधिकार केवल कर्म पर है, फल पर नहीं। यह लाइन जीवन को सरलता देने के साथ-साथ, दिल और दिमाग दोनों को अनुशासन भी देती है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि गीता कहती है कि जीवन की व्यर्थ चिंताएं, विकृत भावनाएं और गलत धारणाएं तभी मिटती हैं, जब हम अपने भीतर के सत्य को पहचानते हैं। यही कारण है कि आज के दौर में जब अवसाद और मानसिक तनाव जैसी चीजें तेजी से बढ़ रही हैं, गीता का संदेश लोगों को नया संबल देता है। गीता का पहला ही संदेश यह है कि आत्मा न कभी जन्म लेती है न कभी मरती है। 'न जायते म्रियते वा कदाचित्' यह श्लोक जीवन की अनिश्चितताओं के बीच हमें अद्भुत स्थिरता देता है। यह केवल युद्धभूमि का संवाद नहीं था, बल्कि यह जीवन की हर परिस्थिति का मार्गदर्शन है।

आज रामलला की धर्मध्वजा फहराएंगे पीएम मोदी

-राम मंदिर को एटीएस-एनएसजी कमांडोज ने घेरा-हेलिकॉप्टर से निगरानी, 1000 क्विंटल फूलों से सजाया;

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा फहराने की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। शहर को 1000 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा है। मंदिर पर फहराई जाने वाली धर्मध्वजा जन्मभूमि पहुंच चुकी है। मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी मंदिर के 191 फीट ऊंचे शिखर पर पहली बार ध्वजा फहराएंगे। राम जन्मभूमि और आसपास की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। हेलिकॉप्टर से निगरानी की जा रही है। एटीएस-एनएसजी कमांडो ने मंदिर को घेर रखा है। इसके अलावा एसपीजी, सीआरपीएफ और पीएसी के जवान भी तैनात हैं। 5 लेयर में मंदिर की सुरक्षा है।

समारोह में उन 100 दानदाताओं को आमंत्रित किया गया है, जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण में 2 करोड़ से ज्यादा दान दिया था। हालांकि, शंकराचार्यों को नहीं बुलाया गया है। राम मंदिर ट्रस्ट ने अपील की है कि 25 नवंबर को आम श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए न आएं। 23 नवंबर की रात 11 बजे से अयोध्या की तरफ लोडर गाडियां जैसे- ट्रक, ट्रैक्टर की एंट्री रोक दी गई है। यह ट्रैफिक डायवर्जन 26 नवंबर की आधी रात तक लागू रहेगा।

तमिलनाडु में दो निजी बसों के बीच भीषण टक्कर... 6 लोगों की मौत

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडु के तेनकासी जिले में दो निजी बसों के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई और 28 अन्य घायल हुए है। यह हादसा कदायनल्लुर के पास हुआ, जहां दोनों बसें आमने-सामने भिड़ गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसके बाद स्थानीय प्रशासन और अग्निशमन दल ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया।जांचकर्ताओं का मानना है कि मदुरै से सेंकोट्टई जा रही बस की तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग के कारण यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद सभी 28 घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती किया गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कुछ पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है और मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। पुलिस ने

सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हादसे पर शोक जताकर जिला कलेक्टर को घायलों को उच्च स्तरीय इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, तेनकासी कादायनल्लुर में हुई बस दुर्घटना में 6 लोगों की दर्दनाक मौत की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैंने तुरंत जिला कलेक्टर को दुर्घटना स्थल से बात की और सरकारी अस्पताल जाकर प्रभावितों को उचित उच्च गुणवत्ता वाला इलाज सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। मृतकों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

पाकिस्तान के पैरामिलिट्री हेडक्वाटर में हुए आतंकी हमले में 6 सुरक्षाकर्मियों सहित 10 की मौत

-आत्मघाती हमले की हुई पुष्टि

इस्लामाबाद(एजेंसी)। पाकिस्तान में आतंकवादियों ने एक बड़े हमले को अंजाम दिया है, जिसमें 6 सुरक्षाकर्मियों समेत 10 लोगों की मौत हो गई। हमले में कई लोगों के घायल होने की खबर है। सोमवार सुबह पेशावर के सद्दार इलाके में स्थित फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) हेडक्वार्टर पर हुए एक समन्वित आत्मघाती हमले ने पूरे देश की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

आतंकी हमले से संबंधित शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, आत्मघाती विस्फोट और गोलीबारी में कम से कम 6 सुरक्षाकर्मी सहित 10 लोग मारे गए हैं, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। इस हमले को अंजाम देने वाले तीन दहशतगर्दों को भी मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है। हमले की पुष्टि करते हुए पेशावर के सीसीपीओ

मियां सईद ने मीडिया को बताया कि हमला सुबह करीब 8 बजे दो बड़े धमाकों के साथ शुरू हुआ। एक सुसाइड बॉम्बर ने मेन गेट पर विस्फोट कर खुद को उड़ा लिया। इसके तुरंत बाद अन्य हमलावरों ने गोलीबारी शुरू कर दी। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास की इमारतों की खिड़कियां टूट गईं। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए मोर्चा संभाल लिया, जिस कारण आतंकी बिल्डिंग के अंदर घुसने में नाकाम रहे। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के आईजी जुल्फिकार हमीद ने पुष्टि की है, कि यह एक हाई-इंटेंसिटी टेरर अटैक था जिसमें सुसाइड बॉम्बर शामिल थे। हमले के बाद शहर में तुरंत ही इमरजेंसी रिस्पॉन्स, रैपिड एक्शन टीमें और पुलिस कमांडो यूनिट्स तैनात कर दी गईं। पूरा सद्दार ज़ोन सुरक्षा घेराबंदी में ले लिया गया।

अब और तेज बढ़ेगी ठंड, शीतलहर और कोहरे का भी रहेगा प्रकोप

दक्षिण भारत और अंडमान-निकोबार में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम फिर बदलता दिख रहा है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव क्षेत्र बना है। अब पश्चिम-उत्तर दिशा में बढ़ते हुए सोमवार को बंगाल की खाड़ी पर डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। अगले 36 घंटों में यह और तेज होकर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके प्रभाव से अगले कुछ दिन दक्षिण भारत और अंडमान-निकोबार में भारी से तेज भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

24 से 28 नवंबर तक अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भारी बारिश होगी। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और यनम में 24 नवंबर को भारी बारिश होगी। इस दौरान गरज-चमक के साथ बारिश और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

उत्तर भारत में ठंड बढ़ने लगी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। हरियाणा के हिसार में मैदानी इलाकों का सबसे कम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। अगले चार दिनों तक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आएगी।

महाराष्ट्र को छोड़कर पश्चिम भारत में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। पश्चिम यूपी के उत्तरी हिस्सों में रात और सुबह के वक्त घना कोहरा छा सकता है। दिल्ली में रविवार को वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही और एक्यूआई 391 रहा। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता बुलेटिन के मुताबिक सोमवार से बुधवार तक दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी रह सकती है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री कम 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम साढ़े 5 बजे आर्द्रता का स्तर 68 फीसदी रहा। मौसम विभाग ने सोमवार को मध्यम दर्जे का कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 और 10 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई है।

पछुआ व उत्तरी-पश्चिमी दिशाओं से ठंडी और शुष्क हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। आगामी दो-तीन दिनों के दौरान अधिकतम व न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की और कमी

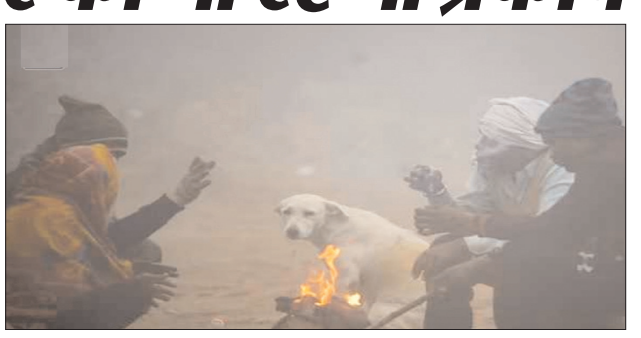

होने की संभावना है, जिससे प्रदेश में ठंड का प्रभाव बढ़ेगा। सुबह के समय राज्य के पश्चिमी हिस्से में कहीं-कहीं घना कोहरा रहेगा। प्रदेश के अन्य हिस्सों में हल्के से मध्यम कोहरा छह सकता है। दिन चढ़ने पर कोहरा छंटने के बावजूद कई स्थानों पर हल्की धुंध बनी रहने की संभावना है, जिससे दृश्यता प्रभावित हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सनातन का ऐतिहासिक क्षण :

अयोध्या में धर्म ध्वज स्थापना और रामोत्सव से राष्ट्रोत्सव की यात्रा

लेखाराम बिश्नोई
लेखक व विचारक

राम भारतीय मन, संस्कृति और धर्मात्मा जीवन के केंद्र भगवान श्रीराम भारतीय जनमानस के देवता ही नहीं, बल्कि संस्कृति के आधारस्तंभ हैं। राम भारतीय जीवन के नैतिक आदर्श हैं—जहाँ न्याय और करुणा साथ चलते हैं, जहाँ राजधर्म और लोकधर्म एक ही धारा में बहते हैं। संसार के किसी भी राष्ट्र में सांस्कृतिक चेतना का ऐसा अद्भुत संगम नहीं मिलता जैसा भारत में राम के रूप में मिलता है। यहाँ राम जन्मभूमि केवल ईंट-पत्थर का मंदिर नहीं, बल्कि भारत के हृदय की धड़कन है।

भारत के सांस्कृतिक इतिहास में कुछ क्षण ऐसे आते हैं जो केवल एक घटना नहीं, बल्कि युग-परिवर्तन का संकेत बनकर उभरते हैं। 25 नवंबर का दिन भी ऐसा ही ऐतिहासिक अवसर बनने जा रहा है, जब अयोध्या के भव्य राम मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों केसरिया धर्म ध्वज की स्थापना होगी। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सनातन सभ्यता के पुनर्जागरण का सजीव प्रतीक है। जिस अयोध्या को सदियों तक प्रतीक्षा और संघर्ष का प्रतीक माना जाता रहा, आज वही अयोध्या जाग्रत भारत की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र बन चुकी है।

25 नवंबर को दोपहर 11:55 से 12:10 के शुभ अभिजीत मुहूर्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 161 फीट ऊँचे शिखर पर स्थापित 42 फीट ऊँचे स्तंभ पर केसरिया धर्म ध्वज का आरोहण करेंगे। यह ध्वज 22 फुट लंबा और 11 फुट चौड़ा है, जिसके केंद्र में भगवान सूर्य, 'ऊँ' और कोबिदार वृक्ष अंकित हैं। ये तीनों चिन्ह सूर्यवंशीय राजधर्म, आध्यात्मिक चेतना और सनातन के पवित्र वृक्ष के प्रतीक हैं।

विशेष तकनीक से निर्मित यह ध्वज 4 किलोमीटर दूर से भी स्पष्ट दिखाई देगा। माना जा रहा है कि इसे ऑटोमैटिक फ्लैग-होस्टिंग सिस्टम से जोड़ा गया है, जिससे बटन दबाते ही 10 सेकंड में ध्वज लहराने लगेगा और आवश्यकतानुसार आसानी से बदला भी जा सकेगा। हवा के बहाव के अनुसार ध्वज 360 डिग्री घूम सकेगा, जो इसे और भी विशेष बनाता है। ध्वजारोहण के साथ ही अयोध्या से लेकर देशभर के मंदिरों में घंट-घड़ियाल और शंखध्वनि गूंजेगी। यह पूरे भारत के भक्त समुदाय को आध्यात्मिक एकता में बाँधने वाला अद्वितीय क्षण होगा। इस ऐतिहासिक अवसर को भव्य बनाने के लिए अयोध्या नगरी सजीव महोत्सव में बदल चुकी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयँ तैयारियों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं।

देशभर से 6 से 8 हजार विशिष्ट अतिथियों को आह्वान किया गया है। चौराहों पर स्क्रीनें लगाई जा रही हैं, ताकि श्रद्धालु लाइव प्रसारण देख सकें। दूरदर्शन पर यह कार्यक्रम विश्वभर के लिए सीधा प्रसारित होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पुज्यनीय सरसंघचालक मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित अनेक संत, पूज्य महात्मा और राष्ट्रसेवी इस अवसर के साक्षी बनेंगे।

राम भारतीय मन, संस्कृति और धर्मात्मा जीवन के केंद्र भगवान श्रीराम भारतीय जनमानस के देवता ही नहीं, बल्कि संस्कृति के आधारस्तंभ हैं। राम भारतीय जीवन के नैतिक आदर्श हैं—जहाँ न्याय और करुणा साथ चलते हैं, जहाँ राजधर्म और लोकधर्म एक ही धारा में बहते हैं। संसार के किसी भी राष्ट्र में सांस्कृतिक चेतना का ऐसा अद्भुत संगम नहीं मिलता जैसा भारत में राम के रूप में मिलता है। यहाँ राम जन्मभूमि केवल ईंट-पत्थर का मंदिर नहीं, बल्कि भारत के हृदय की धड़कन है। राम, कृष्ण और शिव - भारत के तीन महान स्वपन है। भारतीय परंपरा में पूर्णता के तीन महान केंद्र हैं—राम की मर्यादा, कृष्ण की उन्मुक्त लीला, शिव का असीमित तप। भारत के सांस्कृतिक मानस का विकास इन तीनों ध्रुवों पर आधारित है। इनमें से राम भारतीय उत्तर-दक्षिण एकता के देवता रहे हैं। राम का चरित्र मर्यादा, समन्वय, कर्तव्य और त्याग की प्रतिमूर्ति है। वनवास के दौरान निषादराज, शबरी, केवट और वानरों को जो सम्मान और अपनापन उन्होंने दिया, वह भारत में समरसता का आधार बना।

भारत की लोक संस्कृति %जय सियाराम% के भाव से भरी हुई है। यहाँ राम अकेले नहीं, बल्कि सीता के साथ पूज्य हैं। सियाराम भाव में सब कुछ समाहित है—पति-पत्नी का समन्वय, परिवार, धर्म, प्रकृति और समाज की एकता लेकिन मंदिर आंदोलन की राजनीति और संघर्ष में 'जय श्रीराम' का उद्घोष सामने आया—जो अधिकतम संघर्ष का स्वर था। जबकि 'सियाराम' लोक का सहज राम है—सबका, सर्वसमाहित, सर्वमान्य। राम मंदिर आंदोलन कोई केवल धार्मिक संघर्ष नहीं था, बल्कि भारतीय अस्मिता के पुनर्जीवन की ऐतिहासिक यात्रा थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस आंदोलन में संपूर्ण समाज को जोड़ने का महान कार्य किया। निधि समर्पण अभियान के दौरान 5.37 लाख गाँव, 12.73 करोड़ परिवारों से संपर्क किया गया। इतना व्यापक जन-सम्पर्क अभियान स्वतंत्र भारत के इतिहास में अद्वितीय माना जाता है। जनवरी 2024 में स्वयंसेवक राम मंदिर का चित्र और अक्षत लेकर घर-घर जाकर रामलला के दर्शन का आमंत्रण दिया। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की आधारशिला है, जो रामोत्सव को राष्ट्रोत्सव में परिवर्तित कर रहा है।

अयोध्या—एक शहर नहीं, भारत की आत्मा है, अयोध्या भारतीय भावनाओं में रची-बसी है। जब कोई भारतीय %अयोध्या जी% कहता है तो इसमें उसकी सारी श्रद्धा और भावनाएँ प्रवाहित होती हैं।

अयोध्या केवल भूगोल नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और इतिहास का संगम है।

राम मंदिर का पुनर्निर्माण,भारतीय स्वाभिमान का पुनर्जन्म, हजारों वर्षों की भक्ति का प्रतिफल और आधुनिक भारत की सांस्कृतिक चेतना का विस्तार है। 25 नवंबर—सनातन के स्वाभिमान का उदय दिन धर्म ध्वज स्थापना केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि सनातन सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वजरोहण है। यह ध्वज सूर्यवंश की परंपरा, भारत की आत्मा, धर्म की मर्यादा और आधुनिक भारत की संकल्प-शक्ति का प्रतीक बनेगा। यही वह क्षण है जहाँ—राम की भक्ति और राष्ट्र की शक्ति एक साथ खड़ी दिखाई देंगी।

25 नवंबर को अयोध्या में जो दृश्य उपस्थित होगा, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए केवल इतिहास नहीं, बल्कि प्रेरणा का स्रोत बनेगा। राम मंदिर का यह अध्याय भारत को आस्था से आत्मविश्वास,भक्ति से राष्ट्रभाव,और संघर्ष से समृद्धि की ओर ले जाता है। आज भारत कह रहा है—卐रामोत्सव राष्ट्रोत्सव है, और राष्ट्रोत्सव रामत्व का पुनर्जागरण है।卐

जय श्रीराम।

लेखाराम बिश्नोई
लेखक व विचारक

संपादकीय

नई श्रम संहिताएं

इसमें दो राय नहीं कि नई श्रम संहिताएं लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नये दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम संहिताओं मसलन वेतन,औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। केंद्र सरकार 29 केंद्रीय कानूनों की जगह चार संहिताओं को लाने वाले इस कदम को ऐतिहासिक सुधार के तौर पर पेश कर रही है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। इस पहल में कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वायदा किया गया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं। सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक-सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। सही मायनों में यह बदलाव लंबे से समय से वैधानिक दायरे से बाहर रह रहे एक बड़े वर्ग को मान्यता प्रदान करता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। वहीं दूसरी ओर ये संहिताएं महिलाओं के लिये भी रोजगार की समान परिस्थितियां अनिवार्य बनाती हैं। इस प्रयास से महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी का दायरा बढ़ेगा। हालांकि, इन प्रयासों से जुड़ी कुछ जरूरी चेतावनियां भी सामने आ रही हैं। उदाहरण के लिये औद्योगिक संबंध संहिता, छंटनी और संस्थान को बंद करने के लिये सरकारी मंजूरी की सीमा को सौ कामगारों से बढ़ाकर तीन सौ कर देती है। इन नई श्रम संहिताओं के लागू होने पर उद्योग जगत जहां इस बदलाव को लचीला बताकर स्वागत कर रहा है, वहीं श्रम संगठनों को चिंता है कि इससे रोजगार की सुरक्षा कम होगी। ऐसी ही कई आशंकाओं को लेकर देश की कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। उनका तर्क है कि नई व्यवस्था कामगारों के सामूहिक दबाव से बातचीत की गुंजाइश को कमजोर करती है। साथ ही सत्ता का झुकाव नियोक्ताओं की ओर नजर आता है। वहीं दूसरी ओर नये प्रावधानों का क्रियान्यवन राज्यों पर निर्भर करेगा। जिन्हें इसके बाबत पूरक नियम बनाने होंगे। राज्यों द्वारा असमान रूप से प्रावधान अपनाने से एकीकृत रूप से राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर इन संहिताओं की सफलता प्रवर्तन की ईमानदारी पर निर्भर करेगी। यह प्रयास तभी प्रभावी होगा जब कार्य परिस्थितियों का पारदर्शी निरीक्षण, सकारात्मक परिणाम देने वाले शिकायत तंत्र और अनौपचारिक कार्यबल तक सही मायने में पहुंचने वाली सामाजिक सुरक्षा योजनाएं सिरे चढ़ सकेंगी। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा।

डिजिटल हिंसा रोकें, महिलाओं को सशक्त बनाएं

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(25 नवंबर महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय दिवस)

महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा दुनिया में सबसे प्रचलित और व्यापक मानवाधिकार उल्लंघनों में से एक है। दुनिया भर में, लगभग तीन में से एक महिला को अपने जीवन में कम से कम एक बार शारीरिक और/या यौन अंतरंग साथी हिंसा, गैर-साथी यौन हिंसा, या दोनों का सामना करना पड़ा है। यह एक ऐसा अभिशाप है जो विभिन्न परिस्थितियों में बढ़ रहा है, लेकिन इस वर्ष, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के अंतर्राष्ट्रीय दिवस का अभियान विशेष रूप से डिजिटल क्षेत्र पर केंद्रित है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज एक गंभीर और तेज़ी से बढ़ता ख़तरा है जो कई महिलाओं की आवाज़ को दबाने की कोशिश करता है, खासकर उन महिलाओं की जो राजनीति, सामाजिक कार्यकर्ता या पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों में मज़बूत सार्वजनिक और डिजिटल उपस्थिति रखती हैं।

यह हिंसा का एक ऐसा रूप है जो अपर्याप्त तकनीकी कानून कुछ देशों में इस प्रकार की आक्रामकता को कानूनी मान्यता न मिलने, डिजिटल प्लेटफार्मों की दंडमुक्ति, एआई का उपयोग करके दुर्व्यवहार के नए और तेजी से विकसित होते रूपों, लैंगिक समानता का विरोध करने वाले आंदोलनों, अपराधियों की गुमनामी और डिजिटल पीड़ितों के लिए सीमित समर्थन के कारण बढ़ रहा है।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर यूएनआईटीई अभियान (25 नवंबर - 10 दिसंबर) का शुभारंभ हो रहा है। 16 दिनों की सक्रियता की पहल, जिसका समापन अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर) के उपलक्ष्य में होगा।

महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध डिजिटल हिंसा को समाप्त करने के लिए 2025 का यह अभियान , समाज के सभी सदस्यों को संगठित करना चाहता है। सरकारों को दंडात्मक कानूनों के माध्यम से दंडमुक्ति को समाप्त करना चाहिए, प्रौद्योगिकी कंपनियों को प्लेटफार्मों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और हानिकारक सामग्री को हटाना चाहिए। दानदाताओं को धन उपलब्ध कराना चाहिए ताकि नारीवादी संगठन इस हिंसा को समाप्त करने के लिए काम कर सकें। और लोगों को भी पीड़ितों की मदद के लिए अपनी आवाज उठानी चाहिए।

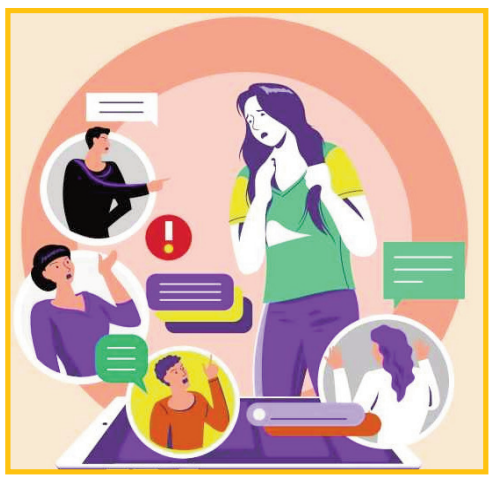

महिलाओं और लड़कियों का पीछा करने, उन्हें परेशान करने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ रहा है। अंतरंग तस्वीरों का गैर-सहमतिपूर्ण साझाकरण - जिसे अक्सर रिवेंज पोर्न या लीक्ड न्यूड कहा जाता है। साइबर धमकी, ट्रोलिंग और ऑनलाइन धमकियाँ। ऑनलाइन उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न। एआई द्वारा उत्पन्न डीपफेक जैसे कि यौन रूप से स्पष्ट चित्र, डीपफेक पोर्नोग्राफी, और डिजिटल रूप से हेरफेर की गई छवियां, वीडियो या ऑडियो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभद्र भाषा और गलत सूचना। डोक्सिंग यानि निजी जानकारी प्रकाशित करना। किसी की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए ऑनलाइन पीछा करना या निगरानी/ट्रैकिंग करना। ऑनलाइन ग्रूमिंग और यौन शोषण। महिला विरोधी नेटवर्क - जैसे मैनोस्फीयर , इनसेल फोरम। ये कृत्य सिर्फ़ ऑनलाइन ही नहीं होते, ये अक्सर वास्तविक जीवन में भी ऑफ़लाइन हिंसा का कारण बनते हैं, जैसे ज़बरदस्ती, शारीरिक शोषण, और यहाँ तक कि महिलाओं और लड़कियों की हत्या भी। यह नुकसान लंबे समय तक रह सकता है और पीड़ितों को लंबे समय तक प्रभावित करता है।

डिजिटल हिंसा पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक निशाना बनाती है, जीवन के सभी क्षेत्रों में, लेकिन विशेष रूप से सार्वजनिक या ऑनलाइन दृश्यता वाले लोगों को - जैसे कि कार्यकर्ता, पत्रकार, राजनीति में महिलाएं, मानवाधिकार रक्षक और युवा महिलाओं को ज़्यादा झेलना पड़ता है। इसका प्रभाव उन महिलाओं पर और भी बुरा पड़ता है जो नस्ल, विकलांगता, लिंग पहचान या यौन अभिविन्यास सहित विभिन्न प्रकार के भेदभाव का सामना करती हैं।

38ब महिलाओं ने ऑनलाइन हिंसा का अनुभव किया है और 85ब ने दूसरों के विरुद्ध डिजिटल हिंसा देखी। गलत सूचना और मानहानि महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन हिंसा के सबसे प्रचलित रूप हैं । सभी ऑनलाइन डीपफेक में से 90-95ब गैर-सहमति वाली अश्लील तस्वीरें हैं, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत में महिलाओं को दर्शाया गया है। 73ब महिला पत्रकारों ने ऑनलाइन हिंसा का अनुभव होने की बात कही। 40ब से भी कम देशों में महिलाओं को साइबर उत्पीड़न या साइबर स्टॉकिंग से बचाने के लिए कानून हैं। इस वजह से दुनिया की 44ब महिलाएं और लड़कियां - यानी 1.8 अरब - कानूनी सुरक्षा से वंचित हैं । महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि लोगों को जागरूक करने एवं सुरक्षित एवं सुन्दर वातावरण बनाने के लिए हम सभी को काम करना है, तभी समाज की सार्थकता सिद्ध होगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा? अत- अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है।

चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

विचार मंथन

क्रिप्टो करेंसी, रिश्वत और ट्रंपः अमेरिका का महा-घोटाला?

(लेखक- सनत जैन)

दुनिया भर में क्रिप्टो मार्केट की हालिया गिरावट ने एक बार फिर इस सवाल को मजबूती से खड़ा कर दिया है। क्या यह पूरा ढांचा नई डिजिटल करेंसी का वित्तीय नवाचार है, या वैश्विक स्तर पर फैलता हुआ एक अनियंत्रित वित्तीय घोटाला है। पिछले एक महीने में क्रिप्टो मार्केट से लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर गायब हो चुके हैं। यह रकम अकेले भारत की अर्थव्यवस्था के 25प्रतिशत के बराबर है। इस वैश्विक आर्थिक भूचाल की सबसे तीखी बहस अमेरिका में छिड़ गई है। अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी को लेकर कई आरोप सामने आ रहे हैं। क्रिप्टो को लेकर अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में नई बहस शुरू हो गई है। क्रिप्टो करेंसी और क्रिप्टो मार्केट की गतिविधियां महज बाज़ार की अस्थिरता नहीं है। बल्कि सत्ता, राजनीति और निजी लाभ के लिए एक खतरनाक खेल खेला जा रहा है। जिसमें बड़े-बड़े राजनेता और बड़े-बड़े पूंजीपति एक ओर रिश्वत की रकम लेने का एक नया सिस्टम बना रहे हैं, तो वही दूसरी ओर आम आदमियों को क्रिप्टो करेंसी के जाल में फंसाकर लूट का एक नया बाजार तैयार कर रहे हैं। क्योंकि इसमें दुनिया के कई देशों के राजनेता और बड़े-बड़े पूंजीपति शामिल हैं। इसलिए आम जनता भी इसमें फंसती चली जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से क्रिप्टो समर्थक रहे हैं। उन्होंने न केवल क्रिप्टो को भविष्य की अर्थव्यवस्था बताया है, बल्कि अपने नाम से कॉइन लॉन्च कर इस कारोबार में अपने परिवार को शामिल कर इसे नई हवा दी है। पिछले कुछ महीनो से क्रिप्टो करंसी से भारी धन कमाने का आरोप डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार पर लगने लगा है। ट्रंप पर यह आरोप है, कि कई विवादित व्यक्तियों ने ट्रंप को क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से भारी धन ट्रांसफर कर अमेरिका में जो मुकदमे क्रिप्टो बिलियनेयर्स या एक्सचेंज मालिकों पर मनी लॉन्ड्रिंग, सिक्योरिटी फॉड या डार्क-वेब गतिविधियों के चल रहे थे, उन्हें ट्रंप के शासनकाल में राष्ट्रपति से क्षमादान मिल गया है। सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म में यह सवाल फैल गया है, क्या क्रिप्टो निवेश के नाम पर अमेरिका में राजनीतिक सौदेबाज़ी हुई है? कई विश्लेषक यह तर्क दे रहे हैं, ट्रंप के निजी व्यावसायिक उपक्रमों में क्रिप्टो के माध्यम से भारी निवेश पिछले 10 महीनो में किया गया है। इसमें ट्रंप के परिवार को फायदा हुआ है। अमेरिका के हितों को नुकसान हुआ है। इस पर गंभीर सवाल अमेरिका में खड़े हो रहे हैं। कोई कंपनी या व्यक्ति राष्ट्रपति के व्यवसाय में करोड़ों-अरबों डॉलर निवेश करता है, कुछ ही समय बाद उसके खिलाफ जांच या कानूनी कार्रवाई कमजोर पड़ जाती है, या उसे माफी दे दी जाती है। तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। यहीं से यह आशंका जन्म लेती है, क्रिप्टो एक 卐डिजिटल दानपत्र卐 बन गया है? जहां निवेश का असली स्रोत, उद्देश्य और फायदा सब छिप जाता है। क्रिप्टो के माध्यम से किए हुए निवेश का सोर्स का पता लगाना एक तरह से नामुमकिन है। अमेरिकी कांग्रेस में अब यह चर्चा तेज हो गई है। क्रिप्टो के जरिये चुनावी फंडिंग को नियंत्रित करना सरकार के लिए लगभग असंभव है। विदेशों के निवेशक, विवादित कारोबारी या कोई भी गुमनाम इकाई आसानी से क्रिप्टो करंसी के डिजिटल टोकन खरीदकर उसके माध्यम से सक्षम प्राधिकारी को देकर राजनीतिक शरण हासिल कर सकती है। यही कारण है, आर्थिक विशेषज्ञ इसे अमेरिकी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा मानने लगे हैं।

क्रिप्टो करंसी का मुख्य उद्देश्य बताया गया था, आर्थिक आज़ादी, पारदर्शिता और नई तकनीक अर्थव्यवस्था की मजबूती। लेकिन अब इसकी जो हकीकत, सामने आ रही है उसमें राजनेताओं से मिलकर, उन्हें क्रिप्टो करेंसी में रिश्वत देकर अपने पक्ष में फैसला कराने के लिए क्रिप्टोकरंसी का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। जिसके कारण कई देशों में क्रिप्टोकरंसी को अविश्वास और भ्रष्टाचार के नए रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका की त्रासदी यह है, यदि क्रिप्टो सचमुच सत्ता के साथ मिलकर भ्रष्टाचार का नया मॉडल बन गया है। तो सबसे बड़ा नुकसान साधारण निवेशकों और लोकतांत्रिक संस्थानों को होना तय है। ज़रूरी है, क्रिप्टो पर कड़ी निगरानी, सख्त नियमन और राजनीतिक कारोबारी संबंधों पर पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। वरना यह 卐डिजिटल क्रांति卐 दुनिया की अर्थव्यवस्था और राजनीति दोनों के लिए बड़ी घातक साबित होगी। सारी दुनिया का मध्यम वर्ग और गरीब आदमी पर इसका असर पड़ेगा। वैश्विक स्तर पर इस करेंसी के कारण अर्थव्यवस्था डूबने की कगार पर पहुंच जाएगी। जिसका मुकाबला कर पाना फिर किसी के लिए संभव नहीं होगा। सामाजिक व्यवस्था में अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्थान है। डिजिटल करेंसी का कोई आधार नहीं है। यह करंसी पूरी तरह से काल्पनिक है। अर्थव्यवस्था पर इस तरह की चोट होगी, तो सारी दुनिया को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। यह सभी को समझना होगा। भारत सरकार ने क्रिप्टो करेंसी को मान्य नहीं किया है लेकिन क्रिप्टो करेंसी पर 30 फ़ीसदी टैक्स लगाकर एक तरह से इसे मान्यता दे दी है। भारत में भी इसके उपयोग को नकारा नहीं जा सकता है। भारत के पास ऐसी कोई एजेंसी नहीं है जो क्रिप्टो करेंसी पर नियंत्रण कर सके। क्रिप्टो करेंसी से वैश्विक स्तर पर बिना किसी रोक-टोक के लेनदेन हो रहा है। ऐसी स्थिति में क्रिप्टो करेंसी को लेकर भारत में भी तरह-तरह की चर्चा होने लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत और कनाडा एफटीए वार्ता फिर से शुरू

- 2030 तक व्यापार बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। इस समझौते का लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने कहा कि इस तरह के समझौते दोनों देशों के निवेशकों और कारोबारियों के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं। गोयल ने बताया कि भारत और कनाडा स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिद्वंद्विता नहीं करते। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की ताकतें व्यापार और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर सकती हैं। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत पर आरोपों के कारण वार्ता रोक दी गई थी। भारत ने इन आरोपों को खारिज किया। मार्च 2022 में दोनों देशों ने अंतरिम प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) के लिए वार्ता शुरू की थी। गोयल ने कहा कि दोनों देश उच्च महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता करके 2030 तक व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखते हैं। जून 2024 में जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई समकक्ष की बातचीत से दोनों देशों के संबंधों में नई ऊर्जा आई है।

इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पैसालो में बढ़ाया स्वामित्व, खरीदे 54 लाख शेयर

नई दिल्ली । पैसालो डिजिटल लिमिटेड के प्रवर्तक समूह का हिस्सा इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पिछले सप्ताह खुला बाजार लेनदेन के जरिए लगभग 54 लाख शेयर खरीदे। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इकाई ने 13 नवंबर को 43.94 लाख, 18 नवंबर को 8.37 लाख और 19 नवंबर को 1.4 लाख शेयर खरीदे। इस खरीदारी के बाद इक्विलिब्रेटेड की हिस्सेदारी 19.94 फीसदी से बढ़कर 20.53 फीसदी हो गई। यह प्रवर्तक समूह के स्वामित्व में वृद्धि का संकेत है। पैसालो डिजिटल के वर्तमान में 1.14 लाख से अधिक शेयरधारक हैं। इस खरीदारी का समय कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति के बीच हुआ, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।

दिल्ली में सर्किल रेट में बड़े बदलाव की तैयारी

- बाजार और सरकारी मूल्य में तालमेल होगा

नई दिल्ली । दिल्ली में सर्किल रेट में एक दशक बाद बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। राजधानी में सर्किल रेट आखिरी बार 2014 में तय किए गए थे, तब से रियल एस्टेट की कीमतों में भारी वृद्धि हो चुकी है। खासकर लुटियंस दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और शहरीकृत इलाकों में संपत्तियों की कीमतें कई गुना बढ़ चुकी हैं, लेकिन आधिकारिक सर्किल रेट अब भी पुराने स्तर पर हैं। सरकार का मकसद अब संपत्तियों के सरकारी मूल्य को वास्तविक बाजार दरों के करीब लाना है। वर्तमान में दिल्ली के सर्किल रेट आठ कैटेगरी में विभाजित हैं। कैटेगरी ए में रेट 7.74 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर तक है, जबकि कैटेगरी एच में यह 23,280 रुपए प्रति वर्गमीटर तक है। हालांकि एक ही कैटेगरी में शामिल इलाकों में बाजार दरों और सुविधाओं के अंतर काफी हैं। उदाहरण के लिए, गोल्फ लिंक और कालिंदी कॉलोनी दोनों कैटेगरी ए में हैं, लेकिन दोनों की संपत्ति दरों में जमीन-आसमान का अंतर है। सरकार अब इस कैटेगरीकरण को अधिक वैज्ञानिक और यथार्थवादी बनाने पर काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सर्किल रेट के पुराने आंकड़े सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचाते हैं। जहां बाजार मूल्य कई गुना अधिक होता है, वहीं दस्तावेजों में कम मूल्य दिखाने से स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस कम होती है और कैश लेन-देन बढ़ते हैं। इसके विपरीत, कुछ क्षेत्रों में सर्किल रेट अधिक होने से लेन-देन धीमा पड़ जाता है।

भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान: एसएंडपी ग्लोबल

- कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा। एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)) ने इस वर्ष की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वर्ष 6.5 प्रतिशत से बेहतर है। एजेंसी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में आयकर छूट बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने से लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। इसके अलावा, आरबीआई ने जून में प्रमुख ब्याज दर

5.5 प्रतिशत तक घटा दी। इन उपायों से निवेश की अपेक्षा उपभोग वृद्धि प्रमुख चालक बनेगी। एसएंडपी ने कहा कि अमेरिकी शुल्क में वृद्धि से भारत के निर्यातोन्मुखी विनिर्माण पर असर पड़ रहा है। हालांकि, अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क घटा सकता है। एजेंसी ने यह भी कहा कि व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियाँ छूट के लिए समय और संसाधन खर्च कर रही हैं।

बिटकॉइन में तेज गिरावट, क्रिप्टो मार्केट हिला

मुंबई । अक्टूबर में बिटकॉइन ने 1,26,000 डॉलर का सार्वजे निक उच्च स्तर बनाया था, लेकिन यह 80,000 डालर तक गिर गया। यह गिरावट लगभग 36 फीसदी की है। बिटकॉइन ने थोड़ी रिकवरी दिखाई और रविवार शाम 6.15 बजे 86,583.24 पर कारोबार कर रहा था, जो 2.25 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। हालांकि, 2025 में बिटकॉइन ने -7.36 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है और पिछले 1 महीने में 20.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बाजार का मनोबल लालच से डर में बदल चुका है और लिक्विडिटी तेजी से बाहर जा रही है। अक्टूबर के हाई से गिरावट यह दर्शाती है कि बाजार की दिशा अब पलट चुकी है और टेक्निकल इंडिकेटर अभी भी कमजोर हैं।

इंगरसोल-रैंड इंडिया ने शेयरधारकों के लिए घोषित किया 550 फीसदी डिविडेंड

- डिविडेंड 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले शेयर पर आधारित

नई दिल्ली ।

इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड ने 14 नवंबर 2025 को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम डिविडेंड 55 रुपये प्रति शेयर घोषित किया। यह डिविडेंड 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर पर आधारित है, यानी 550 फीसदी का रिटर्न। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग में लिया गया। डिविडेंड पाने के लिए रिकॉर्ड डेट 25 नवंबर तय की गई है। यानी इस दिन जिनके डीमैट अकाउंट में इंगरसोल-रैंड के शेयर होंगे, वही लाभार्थी होंगे। डिविडेंड की राशि सीधे 11 दिसंबर 2025 को शेयरधारकों के खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी। 30 सितंबर 2025 को खत्म हुई तिमाही में कंपनी की आय 321.94 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान तिमाही के 318.35 करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक है। टोटल इनकम बढ़कर 330.92 करोड़ रुपये हुई। वहीं, कुल खर्च 247.38 करोड़ से बढ़कर 250.07 करोड़ रुपये हो गया। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 60.35 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के बराबर है। बीते शुक्रवार कंपनी का शेनि बीएसई पर 0.05 फीसदी गिरकर 3,888.60 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में शेयर में 0.83 फीसदी की गिरावट रही। लंबी अवधि में कंपनी के शेयर ने शानदार प्रदर्शन किया है। 1 साल, 2 साल और 5 साल के रिटर्न क्रमशः -6.98, 32.03 और 510.17 फीस रहे। 10 साल में शेयर ने 402.44 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का मार्केट कैप 12,275.53 करोड़ रुपये है, जबकि 52-वीक हाई और लो क्रमशः 4,699.90 रुपये और 3,060.80 रुपये हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 331, निफ्टी 108 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 331.21 अंक नीचे आकर 84,900 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.65 अंक टूटकर 25,959.50 पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट धातु और और रियल्टी शेयरों के टूटने से आई है। अधिकतर सूचकांकों में गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी 2.05 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.23 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.18फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 1.14 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.42 और निफ्टी एफएमसीजी 0.66 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। मुख्य सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 0.41 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 194.70 अंक टूटकर 60,081.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 151 अंक फिसलकर 17,696.50 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा और कोटक महिंद्रा बैंक गेनर्स थे। बीईएल, टाटा स्टील, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एनटीपीसी के शेयर गिरे। पूरे सत्र में बाजार ने एक सीमित दायरे में कारोबार किया। हालांकि, आखिरी कारोबारी सत्र में बिकवाली हावी रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सेंसेक्स करीब 100 अंक की बढ़त के साथ 85,320 पर खुला और कुछ ही मिनटों में इसमें और मजबूती देखने को मिली। इसी तरह निफ्टी-50 भी 26,122.80 पर हरे निशान में खुला और यह 43.85 अंक की बढ़त के साथ 26,112 पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में भी सोमवार को सकारात्मक माहौल देखने को मिला। फेडरल रिज़र्व द्वारा संभावित ब्याज दर कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 1 फीसदी ऊपर रहे, जबकि जापानी बाजार अवकाश के चलते बंद रहा।

पेट्रोल-डीजल के दाम कुछ शहरों में बढ़े तो कुछ में कम हुए

- गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

देश की पेट्रोलियम कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी किए। इससे कई शहरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव देखा गया। उत्तर भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए, जबकि दक्षिण और कुछ पूर्वी शहरों में कीमतें कम हुईं। दिल्ली के नजदीकी गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल 7 पैसे महंगा होकर 88.10 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे बढ़कर 105.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 61 पैसे बढ़कर 90.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। लखनऊ में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 5 और 6 पैसे महंगे हुए। पटना में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 27 पैसे बढ़ा। प्रयागराज में पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 1 रुपए महंगा हो गया। भुवनेश्वर में पेट्रोल और डीजल के दाम 18-18 पैसे घटकर क्रमशः 100.93 और 92.51 रुपए प्रति लीटर पर आ गए। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता हुआ। आगरा में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 5-5 पैसे सस्ते हुए, वहीं अंबेडकरनगर में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 26 पैसे घटकर बिक रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम

और स्थानीय कर संरचना के आधार पर यह बदलाव हुआ है। उत्तर भारत में महंगाई का दबाव और तेल की मांग बढ़ने के कारण कीमतें बढ़ीं, जबकि दक्षिण भारत में कर घटाव और बाजार में आपूर्ति बढ़ने के कारण रेट घटे।

राइट्स पहली बार चालू डीजल लोकोमोटिव दक्षिण अफ्रीका को निर्यात करेगी

- गेज परिवर्तन सहित तकनीकी बदलाव के बाद क्यू4 वित्त वर्ष 26 तक भेजेगी पहली खेप

नई दिल्ली । रेल मंत्रालय की सार्वजनिक कंपनी राइट्स लिमिटेड (आरआईटीईएस) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पहली बार चालू डीजल लोकोमोटिव निर्यात करने की मंजूरी पाई है। कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका से 18 ऐसे लोकोमोटिव का ऑर्डर हासिल किया है, जिन्हें वहां की केप गेज प्रणाली (1,067 मिमी) के अनुरूप तकनीकी रूप से संशोधित किया जा रहा है। भारत में ये लोकोमोटिव ब्रॉड गेज (1,676 मिमी) पर चलने के लिए बनाए गए थे, लेकिन आवश्यक बदलाव के बाद वे पूरी तरह उपयुक्त होंगे। राइट्स के एक अे धिकारी ने बताया कि क्योंकि भारतीय रेल अब लगभग पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुकी है, इसलिए 15 साल से अधिक शेष सेवा-आयु वाले डीजल इंजन निर्यात के लिए उपयुक्त बने हुए हैं। पहली संशोधित खेप वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक दक्षिण अफ्रीका भेज दी जाएगी। गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता की उम्मीद के साथ, राइट्स भविष्य में दक्षिण अफ्रीका के पड़ोसी देशों से भी इसी तरह के ऑर्डर की संभावनाओं की बात कर रही है।

अमेरिकी प्रतिबंध से भारत का रूसी तेल आयात 75 फीसदी घटेगा

- पहले भारत रोजाना 17-18 लाख बैरल रूसी तेल ले रहा था

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जो 21 नवंबर 2025 से पूरी तरह लागू हो चुके हैं। इन प्रतिबंधों के बाद भारत का रूसी कच्चा तेल आयात तेजी से घटने वाला है। पहले भारत रोजाना 17-18 लाख बैरल रूसी तेल ले रहा था, लेकिन दिसंबर-जनवरी में यह घटकर लगभग 4 लाख बैरल रोज हो सकता है। यानी आयात में लगभग 75 फीसदी कटौती संभव है। भारत की बड़ी रिफाइनरियां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल, मित्तल एनर्जी और मंगलोर रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल से तेल लेना रोक दिया है। केवल नयारा एनर्जी ही रोसनेफ्ट से तेल ले रही है, क्योंकि उसकी रिफाइनरी पहले से यूरोपीय प्रतिबंधों के दायरे में है। रिलायंस ने 20 नवंबर से अपनी सेज रिफाइनरी में रूसी तेल लोडिंग पूरी तरह बंद कर दी है। अमेरिका ने केवल रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल को निशाना बनाया है। रूस की अन्य कंपनियां जैसे सर्गुटनेफ्टेगाज और गज़प्रोम नेफ्ट भारत को तेल सप्लाई कर सकती हैं, यदि वे प्रतिबंधित बैंक या जहाज का उपयोग न करें। रूस नए व्यापारियों, शैडो फ्लीट और

शिप-टू-शिप ट्रांसफर के जरिए सप्लाई बनाए रख सकता है। पिछले दो सालों में सस्ता रूसी तेल मिलने की वजह से रिफाइनरियों ने अच्छा मुनाफा कमाया। अब जब यह तेल कम आएगा, रिफाइनरियां सऊदी अरब, इराक, यूएई और अमेरिका से तेल खरीदेंगी। तकनीकी रूप से इनको प्रोसेस किया जा सकता है, लेकिन मार्जिन कुछ कम हो सकता है।

इस हफ्ते चार बड़ी कंपनियों के आईपीओ शेयरों का लॉक-इन खत्म

- बाजार में बढ़ सकती है हलचल

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते एनटीपीसी ग्रीन इनर्जी, बोराना वेब्जि गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस और मंगल इले क्ट्रिकल के आईपीओ शेयरों की लॉक-इन अवधि समाप्त हो रही है। कुल 57,124.63 करोड़ रुपए के शेयर अब बाजार में उपलब्ध होंगे।

लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद प्रमोटर और शुरुआती निवेशक अपने शेयर बेच सकते हैं, जिससे बाजार में शेयरों की आपूर्ति बढ़ती है और शुरुआती दिनों में कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। 24 नवंबर को मंगल इले क्ट्रिकल की तीन महीने की लॉक-इन अवधि खत्म हो रही है। इसके बाद 11 लाख शेयर, जिनका कुल मूल्य 46.75 करोड़ रुपए है, बाजार में उपलब्ध होंगे। कंपनी 28 अगस्त 2025 को लिस्ट हुई थी। 25 नवंबर को गो डिजिट की छह महीने की लॉक-इन अवधि पूरी हो जाएगी। इसके बाद 1.858 करोड़ शेयर, जिनकी कुल कीमत 654.28 करोड़ रुपए है। यह कंपनी 23 मई 2024 को लिस्ट हुई थी। 26 नवंबर को इस हफ्ते का सबसे बड़ा अनलॉक होने वाला है। एनटीपीसी ग्रीन इनर्जी के 5,806 मिलियन शेयर बाजार में खुलेंगे, जो कंपनी की कुल इक्विटी का 69 फीसदी है। इन शेयरों का कुल मूल्य 56,347.42 करोड़ रुपए है। कंपनी 27 नवंबर 2024 को लिस्ट हुई थी।

27 नवंबर को बोराना वेब्स की लॉक-इन अवधि खत्म होगी। इस दिन 26 लाख शेयर, जिनकी कीमत 76.18 करोड़ रुपए है, बाजार में उपलब्ध होंगे। कंपनी 27 मई 2025 को लिस्ट हुई थी।

टीसीएस को अमेरिकी कोर्ट में 1600 करोड़ का जुर्माना

- पुराने डेटा इस्तेमाल की रोक हटाई

नई दिल्ली।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) को अमेरिकी कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन (के साथ लंबे समय से चल रहे ट्रेड सीक्रेट्स विवाद में अमे रिकी कोर्ट ने टीसीएस के खिलाफ 194.2 मिलियन डॉलर (लगभग 1600 करोड़ रुपये) के हर्जाने को बरकरार रखा है। साथ ही कोर्ट ने पहले लगी स्थायी रोक हटा दी है, जिससे अब टीसीएस बिना डर के सीएससी के पुराने मटेरियल और डेटा का इस्तेमाल कर सकेगी। मामला दोबारा टेक्सास की निचली अदालत में समीक्षा के लिए भेजा गया है। यह विवाद 2019 में शुरू हुआ था। सीएससी ने आरोप लगाया कि टीसीएस ने उनके ट्रेड सीक्रेट्स का गलत फायदा उठाया। ट्रांसअमेरिका ने 2 बिलियन डॉलर का बड़ा आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट टीसीएस को दिया, उस दौरान कई कर्मचारी सीएससी से टीसीएस में शामिल हुए। सीएससी का कहना था कि इन कर्मचारियों की वजह से टीसीएस ने उनके सॉफ्टवेयर का अनुचित लाभ उठाया और नया इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म विकसित किया, जो सीएससी से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। टीसीएस ने कोर्ट के फैसले को चुनौती देने की योजना बनाई है और ऊपरी कोर्ट में अपील करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि जो भी हर्जाना अंतिम रूप से तय होगा, उसके लिए अकाउंटिंग प्रोविजन पहले से तैयार है। टीसीएस ने भरोसा दिलाया कि वह पूरी ताकत से अपना पक्ष रखेगी और भविष्य में कानूनी लड़ाई जारी रखेगी।

अफगानिस्तान से भारत का व्यापार तेजी से बढ़ा

- 34 अरब रुपये के सूखे मेवे और मसाले खरीदे गए

नई दिल्ली ।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच व्यापार लगभग बंद होने के बाद भारत के साथ अफगानिस्तान का व्यापार लगातार बढ़ रहा है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सात महीनों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 525 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा अफगानिस्तान के निर्यात का रहा, जो लगभग 379 मिलियन डॉलर (34 अरब रुपये) तक पहुंचा। अफगानिस्तान के उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता अखुंदजादा अब्दुल सलाम जवद के अनुसार, भारत को भेजे जाने वाले प्रमुख निर्यात में सूखे अंजीर, केसर, हींग और इसके बीज, किशमिश, जीरा, पिस्ता और बादाम शामिल हैं। ये उत्पाद भारत में घरेलू और प्रीमियम खाद्य बाजार में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होते हैं। अफगानिस्तान की ये निर्यात वस्तुएं भारतीय त्योहारों और विशेष अवसरों के लिए भी काफी मांग में रहती हैं। भारत ने आधिकारिक रूप से दोनों देशों के बीच कार्गो फ्लाइट्स बहाल कर दी हैं। यह

कदम अफगान कारोबारियों के लिए राहत भरा माना जा रहा है क्योंकि वाघा बॉर्डर रूट के अनुपलब्ध होने से व्यापार प्रभावित हो रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि एयर-कार्गो उच्च मूल्य वाले उत्पादों जैसे सूखे मेवे के लिए सबसे लाभकारी विकल्प है, हालांकि इसकी लागत सुलभ होनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मार्को जानसन के 6 विकेटों ने ढाया कहर: भारतीय टीम 201 रनों पर सिमटी, दक्षिण अफ्रीका की 314 रनों की बढ़त

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सिर्फ़ 201 रनों पर आउट कर 288 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। मेहमान टीम की पहली पारी में शानदार प्रदर्शन करने वाले मार्को जेनसन ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे भारतीय बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। भारतीय टीम को कमज़ोर स्कोर पर आउट करने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने फिर से बल्लेबाजी की और तीसरे दिन का खेल आठ ओवर में 26/0 पर समाप्त हुआ। सलामी बल्लेबाज़ एडेन मार्करम (12*) और रयान रिकेल्टन (13*) नाबाद क्रीज़ पर थे और दक्षिण अफ्रीका 314 रनों की बढ़त के साथ आगे था।

भारत ने लंच के बाद के सत्र में 174/7 के स्कोर से शुरुआत की, जिसमें वाशिंगटन सुंदर (33*) और कुलदीप यादव (14*) नाबाद रहे और भारत 315 रनों से पीछे था। वाशिंगटन और कुलदीप ने सतर्कता से खेलते हुए बीच-बीच में चौके भी लगाए। हालांकि, प्रोटियाज़ स्पिनर साइमन हार्मर ने दिन का अपना तीसरा विकेट हासिल किया और वाशिंगटन को आउट कर दिया, जिससे भारत की विरोधी टीम की बढ़त को और कम करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हार्मर की आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंद पर वाशिंगटन ने पहली स्लिप में खड़े एडेन मार्करम को कैच थमा दिया। वाशिंगटन ने 92 गेंदों पर 48 रन बनाने के बाद अपना विकेट गंवा दिया, जिससे भारत का स्कोर 194/8 हो गया।

जसप्रीत बुमराह के रूप में नए बल्लेबाज़ कुलदीप के साथ क्रीज़ पर थे, और जैनसन, जो पहले ही चार विकेट ले चुके थे, दूसरे छोर से भारतीय पुछल्ले बल्लेबाज़ों को लगातार परेशान कर रहे थे। दक्षिण अफ़्रीकी गेंदबाज़ों ने 81वें ओवर में दूसरी नई गेंद ली और कुछ ही देर में कुलदीप भी आउट हो गए। 82वें ओवर में जैनसन ने अपना विकेट गंवा दिया और भारत का स्कोर 194/9 हो गया। कुलदीप ने 134 गेंदों पर 19 रन की ज़बरदस्त पारी खेलने के बाद शॉर्ट-लेंथ गेंद पर दूसरी स्लिप में मार्करम को कैच थमा दिया। कुलदीप के विकेट के साथ ही जैनसन ने पाँच विकेट पूरे कर लिए।

मोहम्मद सिराज और बुमराह के क्रीज़ पर रहते हुए, भारत ने सात रन और जोड़े, इससे पहले जैनसन ने बुमराह का भी विकेट लिया, जिससे पारी में उनके विकेटों की संख्या छह हो गई। इससे पहले, भारत ने दूसरे सत्र की शुरुआत 102/4 से की, जिसमें कप्तान ऋषभ पंत (6*) और रवींद्र जडेजा (0*) नाबाद थे। मेजबान टीम का बल्लेबाजी में संदिग्ध रवैया जारी रहा, क्योंकि कप्तान पंत ने एक जोरदार शॉट खेला, लेकिन गेंद दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में चली गई।

पंत भारत के स्कोर में सिर्फ़ सात रन ही जोड़ पाए और भारत ने 37.2 ओवर में 109 रन पर अपनी आधी टीम गंवा दी। नितीश कुमार रेड्डी भी ज़्यादा देर तक क्रीज़ पर नहीं

टिक सके और एडेन मार्करम के शानदार कैच ने उनकी पारी का अंत कर दिया, जो 18 गेंदों में 10 रन पर थी। जेनसन अपनी लंबाई और उछाल से भारत को परेशान करते रहे, जिसका सामना करना जडेजा के लिए भी मुश्किल रहा। रवींद्र जडेजा के आउट होने के साथ ही भारत का स्कोर 43.3 ओवर में 122/7 हो गया। वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने बल्ले से भारत की लड़ाई को और लंबा खींचा और 56.3 ओवर में भारत को 150 के पार पहुँचा दिया। सुंदर ने जहाँ कुछ आक्रामक शॉट लगाए, वहीं कुलदीप ने भी कुछ रन बटोरे।

अब राहुल की कप्तानी में खेलते नजर आयेंगे विराट और रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। अनभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा और विराट कोहली को प्रशंसक अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते हुए देख पायेंगे। ये सीरीज इस माह के अंत में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के एल राहुल की कप्तानी में उतरेगी। ऐसे में ये दोनो ही दिग्गज शुभमन गिल के बाद अब राहुल की कप्तानी में खेलते हुए दिखेंगे। इसमें सभी की नजरें विराट और रोहित के प्रदर्शन पर रहेंगी। प्रशंसक भी इनसे बड़ी पारी की उम्मीद करेंगे। इस सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर ही इन दोनो को आगे अवसर मिलेगा।

इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। शुभमन की गर्दन में अकड़न के कारण उनकी जगह राहुल को कप्तानी मिली है। इससे पहले रोहित और विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शुभमन की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज खेली थी। रोहित और विराट के होने से शीर्ष और मध्य क्रम मजबूत होगा। इससे टीम मे स्थायित्व आने की संभावना है। वहीं उप कप्तान की जिम्मेदारी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दी गयी है। इसी सीरीज में शुभमन की जगह पर रुतुराज गायकवाड़ को शामिल किया गय है। रुतुराज ने भारत ए की ओर से हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी इसी सीरीज में खेलेंगे। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तिलक वर्मा को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

टोक्यो से भी बड़ा कारनामा! ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप भारत ने जीता, पीएम-जय शाह ने सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार आयोजित हुए दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में जीत के लिए भारतीय महिला टीम को बधाई दी और कहा कि यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के पहले संस्करण को जीतकर इतिहास रच दिया। भारत ने रविवार को कोलंबो में एकतरफा फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने X पर पोस्ट किया कि भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए बधाई! इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे श्रृंखला में अपराजित रहीं। यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है, कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है! टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतने आक्रामक रणनीति अपनानी होंगी: शास्त्री

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में भारतीय टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे आक्रामक बल्लेबाजी करने होगी। शास्त्री ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को अधिक समय खराब न करते हुए तेजी से रन बनाने चाहिए। साथ ही पहली पारी में हो सके तो दक्षिण अफ्रीका से कम रनों पर भी पारी घोषित कर दे। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में केवल 4 बार दूसरी पारी में विरोधी टीम से कम पर पारी घोषित की है, इसमें एक भी बार भी भारतीय टीम को जीत नहीं मिली है। भारतीय टीम एक मैच हारी जबकि तीन ड्रॉ रहे हैं।

शास्त्री ने कहा, 'भारतीय टीम को तय करना होगा कि वे नई गेंद का सामना कैसे करते हैं, फिर गेम को आगे बढ़ाएं और जीत दर्ज करें। उन्हें फैसले लेने होंगे, जिसका अर्थ है कि आप शायद पहले घोषित करना चाहें, फिर दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट करने के प्रयास करें।' उन्होंने साथ ही कहा, 'आपको ये अवसर लेने होंगे। आप दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 489 रन से आगे बल्लेबाजी करने का इंतजार नहीं कर सकते इसमें बहुत समय लगेगा।'

गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट में 33 बार टीमों ने दूसरी पारी में पीछे होने पर पारी घोषित की है पर इसमें केवल तीन अवसरों पर ही इन टीमों को जीत मिली है। भारतीय टीम ने ऐसा चार बार किया है पर उन्हें एक बार भी जीत नहीं मिली। उन्हें एकमात्र हार 1948 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में मिली थी, जब उन्होंने 103 रन कम पर पारी घोषित की थी। वहीं तीन अन्य बार मुकाबले ड्रॉ रहे थे।

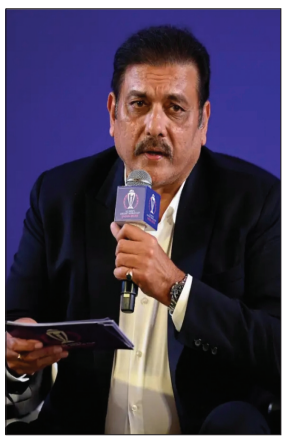

वेंकटेश प्रसाद बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 सीजन के लिए मुनाफ पटेल की जगह पर पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को अपना नया गेंदबाजी कोच बना सकती है। इस कारण है कि मुनाफ के रहते टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वहीं प्रसाद का अपने करियर के दौरान प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर भी सफल रहे हैं। जिसको देखते हुए कैपिल्स टीम उन्हें शामिल करना चाहती है। वहीं मुनाफ साल 2025 में कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच थे और उनके मार्गदर्शन में गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। कैपिटल्स लीग के 18वें सीजन में लगातार चार जीत के बाद भी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। इसी को देखते हुए कैपिटल्स नये सत्र में टीम नई सोच के साथ उतरना चाहती है और इसके लिए कोचिंग टीम में बदलाव करने जा रही है। अपने पहले आईपीएल खिताब को तलाश रही कैपिटल्स के गेंदबाजी विभाग को वेंकटेश के आने से मजबूती मिलेगी। उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया में अटकलें जारी हैं पर कैपिटल्स ने अभी तक आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत शानदार प्रदर्शन के साथ की थी पर वह कमजोर गेंदबाजी के कारण दूसरे हिस्से में लड़खड़ा गयी। इसके पीछे उनकी खराब बल्लेबाजी और कमजोर गेंदबाजी रणनीति थी।

संजू सैमसन को वनडे टीम में जगह न मिलने पर भड़के अनिल कुंबले

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसम को शामिल नहीं किये जाने की आलोचना की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) ने 30 नवंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए केएल राहुल को टीम का कमान बनाया है क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की अकड़न के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इस सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की टीम में वापसी हुई है पर सैमसन को एक बार फिर अवसर नहीं मिला है। माना जा रहा है कि चयनकर्ताओं ने सैमसन के अच्छे फार्म के बाद भी उनकी उपेक्षा की है। कुंबले का मानना है कि सैमसन ने पिछले कुछ समय में एकदिवसीय प्रारुप में अपनी बल्लेबाजी बेहतर बनायी है। इसके आधार पर वह टीम में जगह पाने के अधिकारी थे। कुंबले ने कहा, मैं सैमसन का देखना चाहूंगा। क्योंकि मुझे लगता है उन्होंने कुछ साल पहले जो एकदिवसीय खेला था, उसमें शतक लगाया था। मैं जानता हूं कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय दल में शामिल नहीं थे। वहीं ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जगह दी गई है। वह लंबे समय बाद एकदिवसीय में वापसी में सफल रहे हैं।

शुभमन की गर्दन की जकड़न बनी रहस्य : किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं पायी गयी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की गर्दन की अकड़न को लेकर अभी तक रहस्य बना हुआ है। शुभमन इसी कारण दूसरे टेस्ट के साथ ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। वहीं जांच रिपोर्ट्स के अनुसार शुभमन को किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं है। इसके बाद भी शुभमन के दर्द से उबरने में हो रही देरी से सभी हैरान हैं। सभी हैरान हैं कि उनकी रिकवरी में इतना समय क्यों लग रहा है। साधारण हालातों में गर्दन की अकड़न आम है। यही वजह थी कि वे टीम के साथ दूसरे टेस्ट के लिए गुवाहाटी भी गये थे पर आराम नहीं मिलने के कारण अचानक ही जांच के लिए मुम्बई चले गये। अगर गर्दन की अकड़न 2 दिन में ठीक न हो, तो इसे पूरी तरह ठीक होने में 15-20 दिन तक लग सकते हैं पर परे आराम की जरुरत होती है। वहीं यदि आराम का समय न हो, तो डॉक्टर एक ऐसा इंजेक्शन देते हैं जो रिकवरी की प्रक्रिया को तेज कर देता है। इंजेक्शन का पूरा असर दिखने में लगभग 3 दिन लगते हैं। इसके बाद खिलाड़ी रीहैब शुरू कर सकता है। शुभमन को यह इंजेक्शन दे दिया गया है और प्राप्त जानकारी के अनुसार वे अब पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। इसी कारण अब एक-दो दिन में उनका रीहैब शुरू हो जाएगा। वे कितनी जल्दी मैदान पर लौटेंगे, यह उनके रीहैब की गति पर निर्भर करेगा. डॉक्टरों को भरोसा है कि अगर सब ठीक रहा, तो शुभमन टी20 सीरीज में खेल सकते हैं हालांकि ये अभी तक तय नहीं है।

इटली ने स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप जीता, जानें पहले किस देश ने किया ऐसा

बोलोग्ना (इटली) (एजेंसी)। इटली ने यानिक सिनर की अनुपस्थिति के बावजूद स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप का खिताब जीता और इस तरह से इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी। सिनर की अनुपस्थिति में मैटियो बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली इटली के लिए स्टार रहे। इन दोनों ने अपने एकल मैच जीतकर इटली को फाइनल में स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई।

यह इटली का लगातार तीसरा और कुल चौथा डेविस कप खिताब है। लगातार तीन खिताब जीतने वाला आखिरी देश अमेरिका था, जिसने 1968 से 1972 तक लगातार पांच खिताब जीते थे। पिछले दो वर्षों में इटली को डेविस कप का खिताब

दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अगले सत्र की तैयारी के लिए इस बार डेविस कप में भाग नहीं लिया।

यही नहीं इटली के विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी भी नहीं खेल रहे थे। इटली को उनकी जरूरत नहीं पड़ी। उसने इस सप्ताह बोलोग्ना के सुपरटेनिस ऐरेना में अपने तीनों मैच 2-0 से जीते। इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया तथा सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया। स्पेन भी अपने स्टार खिलाड़ी और विश्व में शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज़ के बिना खेल रहा था।

फाइनल में बेरेटिनी ने पाब्लो कैरेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से हराया। उसके बाद कोबोली ने जौम मुनार को 1-6, 7-6 (5), 7-5 से हराकर इटली की जीत सुनिश्चित की। इटली ने पहली बार 1976 में डेविस कप जीता था। उसके बाद उसने 2023 और 2024 में मलागा में खिताब जीता था। यह पहली बार है जब उसने अपनी धरती पर जीत हासिल की है। छह बार का चैंपियन स्पेन 2019 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में खेल रहा था।

स्मृति मंधाना के मंगेतर पलाश भी बीमार हुए , अस्पताल ले जाया गया , तबियत में सुधार के बाद होटल लौटे

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना की परेशानियां बढ़ती जा रही है। उनके पिता को जहां रविवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं अब उनके मंगेतर पलाश मुच्छल के भी बीमार होने की जानकारी मिली है। पलाश को इसके बाद अस्पताल ले जाया गया हालांकि तबीयत में सुधार होने की वजह से वह वापस होटल रूम में लौट आये हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें एसीडिटी और संक्रमण हुआ था पर अब वह ठीक हैं। मंधाना ने पिता की तबीयत खराब होने की वजह से ही अपनी शादी भी टाल दी है। वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर, डॉ. नमन शाह ने कहा कि एक चिकित्सा टीम उनके पिता की सेहत पर नजर रख रही है। अगर उनकी तबियत स्थिर रहती है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा, रविवार को करीब 1.30 बजे स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को बाईं ओर सीने में दर्द हुआ। जैसे ही लक्षण दिखे, उनके बेटे ने मुझे फ़ोन किया, हमने एम्बुलेंस भेजी, उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। हमें ईसीसी व दूसरी रिपोर्ट्स में पता चला कि कार्डियक एंजाइम बढ़े हुए हैं, इसलिए हमें उन्हें ऑब्ज़र्वेशन में रखा। उन्होंने साथ ही कहा, उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ है, इसे कम करने के प्रयास जारी हैं। पूरी टीम उनका ध्यान रख रही है। ऐसे में अगर उनकी हालत बिगड़ती है, तो हमें एंजियोग्राफी करनी होगी।

पाकिस्तान टीम ने बांग्लादेश को सुपर ओवर में हराकर राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीती

दोहा (एजेंसी)। पाकिस्तान ए ने राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीत ली है। पाक ए टीम ने खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को हराया। पाकिस्तान ए की टीम ने इसी के साथ ही तीसरी बार से ट्रॉफी अपने नाम की है। इस टूर्नामेंट का फाइनल काफी संघर्षपूर्ण रहा और सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। फाइनल में दोनो ही टीमों ने तय ओवरों में 125-125 रन बनाये जिसके कारण मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके सलामी बल्लेबाज यासिर खान पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गये। दूसरे ओवर में मोहम्मद फैक भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी गोरी ने 9 गेंद में नौ रन बनाए। इसके बाद साद मसूद ने 26 गेंदों पर 3 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 38 रन बनाये और पारी को संभाला। अराफात मिन्हास ने 25 रन और माज सदाकत ने 23 रन बनाये। वहीं बांग्लादेश की ओर से रिपोन मोंडोल ने तीन जबकि रकिबुल हसन ने दो विकेट लिए। इसके बाद 126 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश को शुरुआत अच्छी रही पर 22 के स्कोर पर पहला विकेट गिरने के बाद टीम ने एक के बाद एक विकेट खो दिये। बांग्लादेश ए की टीम ने एक समय 96 रन पर 9 विकेट गंवा दिये थे पर 10वें नंबर के बल्लेबाज अब्दुल गफ्फार सकलैन ने नाबाद 16 और 11वें नंबर के रिपोन मोंडोल ने नाबाद 11 रन बनाये। इनके बीच 29 रनों की साझेदारी से मैच टाई को गया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 3 विकेट जबकि अहमद दानियाल ने 2 विकेट लिए। इसके बाद सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए की टीम उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पायी। केवल 6 रन ही बना सके और 3 गेंदों में अपने दोनों विकेट खो दिए। इसके बाद जीत के लिए पाकिस्तान ए को 7 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे साद मसूद और माज सदाकत की जोड़ी ने केवल 4 गेंदों में ही हासिल कर लिया।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहास, इंटर मियामी की 4-0 से धमाकेदार जीत

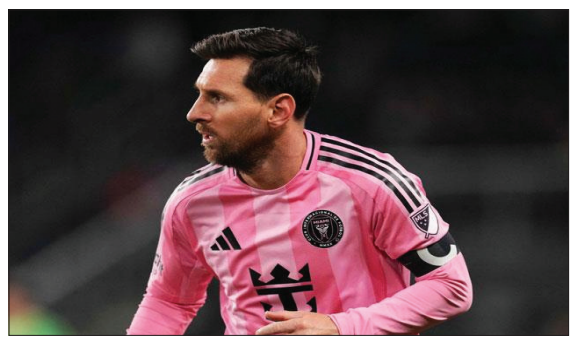

स्पोर्ट्स डेस्क - फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और महानता कभी फीकी नहीं पड़ती। सिनसिनाटी में खेले गए ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में इंटर मियामी की 4-0 की धमाकेदार जीत के साथ मेसी ने अपने करियर का एक और ऐतिहासिक मुकाम छू लिया जिसमें 1300 गोल (गोल + असिस्ट) शामिल हैं। क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल और 404 असिस्ट के साथ मेसी ने अपने करियर को नए ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि उन्हें आधुनिक फुटबॉल के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान देती है।

MLS कप फाइनल की ओर इंटर मियामी की सबसे बड़ी जीत

इंटर मियामी ने FC सिनसिनाटी को हराकर पहली बार MLS कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में कदम रखा। मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा। 19वें मिनट में मिला पहला गोल टीम में जोश भरने वाला साबित हुआ। माटेओ सिल्वेटी के बेहतरीन क्रॉस को मेसी ने शानदार फिनिश में बदल दिया और मियामी को बढ़त दिला दी।

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा: साइना नेहवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा।'

साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है।'

उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है।'

साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढ़ी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा, 'शायद इस पीढ़ी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे। हम जब 18 बरस के हुए, तब तक अच्छे नतीजे मिलने लगे थे।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार, कुछ दिन बाद शुरू होने वाली है 27 साल की जेल की सजा

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील की संघीय पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब बोल्सोनारो कुछ ही दिनों में अपनी 27 साल की जेल सजा शुरू करने वाले थे। उनकी सहयोगी अंद्रिएली सिरिनो ने बताया कि गिरफ्तारी सुबह करीब 6 बजे हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बोल्सोनारो को उनकी घर में नजरबंदी वाली जगह से हिरासत में लेकर राजधानी ब्रासीलिया स्थित संघीय पुलिस मुख्यालय लाया गया। यह कार्रवाई ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर की गई। बोल्सोनारो को तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। उन पर आरोप था कि 2022 के चुनाव में हार के बाद उन्होंने सरकार पलटने, लोकतंत्र खत्म करने और हिंसा भड़काने की कोशिश की। अभियोजन पक्ष ने अदालत में यह भी कहा था कि साजिश में राष्ट्रपति लूला की हत्या की योजना और 2023 की शुरुआत में विद्रोह भड़काने की कोशिश भी शामिल थी। अदालत ने उन्हें सशस्त्र आपराधिक संगठन चलाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को हिंसा से समाप्त करने की कोशिश के अपराधों में दोषी पाया। अभी तक बोल्सोनारो घर में नजरबंद थे, लेकिन ब्राजील के कानून के अनुसार सजा शुरू होने पर किसी भी दोषी को जेल में जाना जरूरी है। इसलिए शनिवार की गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं है कि वे पुलिस मुख्यालय में ही अपनी सजा काटेंगे; उन्हें जेल में शिफ्ट किया जाएगा। बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो, पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर लोगों से अपने पिता के समर्थन में सड़कों पर उतरने की अपील कर रहे हैं। कई समर्थक दावा कर रहे हैं कि बोल्सोनारो राजनीतिक साजिश का शिकार हैं। जुलाई में अमेरिकी सरकार की ओर से ब्राजील के कई निर्यातों पर 50% तक शुल्क लगाया गया था, जिसमें बोल्सोनारो का नाम एक आदेश में आया था। हालांकि ट्रंप ने शुक्रवार को इन अधिकांश बढ़े हुए शुल्कों को वापस ले लिया।

ताकाइची के बयान के बाद यूएन तक पहुंचा चीन-जापान तनाव

टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान को लेकर दिए गए बयान के बाद चीन और जापान के बीच तनाव और भी बढ़ गया है। ताकाइची ने बीते सात नवंबर को संसद में कहा था कि ताइवान पर चीन के बल प्रयोग जापान के लिए अस्तित्व खतरा बन सकता है। इसके जवाब में चीन ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र भेजकर इन टिप्पणियों को गलत और बेहद दुर्भावनापूर्ण बताया।

लास एंजिलिस बंदरगाह पर कंटेनर जहाज में भीषण आग

लास एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लास एंजिलिस के बंदरगाह पर शुक्रवार रात एक कंटेनर जहाज में भीषण आग लग गई। दर्जनों दमकलकर्मी तैनात किए गए। वन हेनरी हडसन नामक जहाज पर मौजूद सभी 23 क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और कोई घायल नहीं हुआ। आग जहाज के डेक के नीचे इलेक्ट्रिकल फायर के रूप में शुरू हुई और बाद में कई स्तरों तक फैल गई। इस दौरान एक विस्फोट भी हुआ। जहाज पर खतरनाक सामग्री भी लदी हुई है। इसके चलते 100 से अधिक दमकलकर्मी मोर्चे पर लगे हैं।

यमनी सहायता कर्मियों की गिरफ्तारी से परिजन चिंतित

सना, एजेंसी। यमन की राजधानी सना में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के सहायता संगठनों के कर्मचारियों की गिरफ्तारी से परिवारों में भय का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, संगठन के कर्मचारियों में शामिल अहमद अल-यमनी की बेटी की शादी के अगले ही दिन नकाबपोश सैनिक उनके घर में घुस आए और उन्हें बिना कारण बताए गिरफ्तार कर ले गए। उनका परिवार महीनों तक उनसे कोई संपर्क नहीं कर पाया। माना जा रहा है कि उनका दोष सिर्फ स्थानीय मानवीय संगठनों के लिए काम करना था।

यूरोप में नेटवर्क बढ़ा रहा है हमास, कमांड मिलते ही हमले की तैयारी; मोसाद ने किया खुलासा

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल की खुफिया सेवा मोसाद ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि हमास यूरोप में गुप्त सेल्स के माध्यम से एक ऑपरेशनल नेटवर्क तैयार कर रहा है। जो कमांड मिलते ही कभी भी धमाका करने की क्षमता रखेगा। मोसाद ने कहा कि यूरोपीय सुरक्षा सेवाओं के साथ सहयोग के चलते हथियारों की खोज हुई है, संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है और कई नियोजित हमलों को रोका गया है। मोसाद के बयान के अनुसार, यूरोपीय सहयोगियों ने इजरायली और यहूदी समुदायों को निशाना बनाने की साजिशों को विफल करने में मदद की।

जर्मनी और ऑस्ट्रिया जैसे देशों में संयुक्त कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और नागरिकों के खिलाफ कमांड पर उपयोग के लिए तैयार किए गए हथियारों के जखीरे को जब्त किया गया। जांच एजेंसियों को एक प्रमुख सफलता पिछले सितंबर में वियना में मिली। ऑस्ट्रिया की ष्ठस्ह्र सुरक्षा सेवा को हैंडगन और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे हुए मिली, जिसे बाद में हमास राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी बासेम नईम के बेटे मोहम्मद नईम से जोड़ा गया।

मोसाद ने हमास के विदेशी नेतृत्व पर चुपचाप इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया। मोसाद ने कहा, 'संगठन के कतर स्थित नेतृत्व का आतंकी ऑपरेशनों को आगे

बढ़ाने में शामिल होना पहली बार सामने नहीं आया है।' मोसाद ने सितंबर में मोहम्मद नईम और उसके पिता बासेम नईम के बीच कतर में हुई मुलाकात का भी जिक्र किया, जो यूरोप में हमास के औपचारिक समर्थन को दर्शाता है।

जांचकर्ता तुर्की से काम कर रहे हमास-समर्थित व्यक्तियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जर्मन अधिकारियों ने नवंबर में बुरहान अल-खतीब को गिरफ्तार किया। अधिकारियों का कहना है कि वह पहले तुर्की में सक्रिय था। मोसाद ने चेतावनी दी कि वरिष्ठ नेताओं द्वारा चल रहे इनकार दुष्ट गुर्गों पर नेतृत्व के नियंत्रण खोने का संकेत दे सकते हैं।

यूरोपीय खुफिया सेवाओं ने अब सीधे सुरक्षा हस्तक्षेपों से परे कार्रवाई का विस्तार किया है। जर्मनी में अधिकारियों ने फंड जुटाने या चरमपंथी विचारधारा फैलाने में हमास की मदद करने वाली चैरिटी और धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाया है, उन्हें महाद्वीप पर संगठन के बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। मोसाद ने जोर दिया कि हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमले के बाद अपनी विदेशी गतिविधियों को तेज कर दिया है, जो ईरान और उसके प्रॉक्सी द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीतियों के समान, विदेशों में गुप्त सेल और परिचालन क्षमताएं बनाने की कोशिश कर रहा है।

मोसाद ने कहा कि वह वर्तमान में दुनिया भर में दर्जनों हमलावर साजिशों को विफल करने के लिए काम कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायली और यहूदी समुदायों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कई देशों से संदिग्धों को पकड़ा गया मोसाद का कहना है कि हमास का आतंकी नेटवर्क यूरोप में यहूदी समुदाय और इस्राइली नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहा था। जर्मनी, ऑस्ट्रिया जैसे देशों में भी मोसाद ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वित ऑपरेशन चलाकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पिछले सितंबर में वियना में ऑस्ट्रिया की डीएनएस सिक्योरिटी सर्विस ने हथियारों का एक जखीरा ढूंढा, जिनमें विस्फोटक और हैंडगन शामिल थे। सुरक्षा बलों ने मोहम्मद नईम नामक संदिग्ध के बारे में पता लगाया, जांच में पता चला कि मोहम्मद नईम हमास के शीर्ष ब्यूरो अधिकारी बासेम नईम का बेटा है, जो गाजा में हमास के शीर्ष नेता खलील अल-हया का करीबी बताया जा रहा है।

हमास नेतृत्व पर मदद का आरोप : मोसाद ने आरोप लगाया कि हमास का नेतृत्व भी यूरोप में आतंकी नेटवर्क तैयार करने में मदद कर रहा है। तुर्किए में भी हमास के संगठन बेस की जांच चल रही है। जर्मनी ने बीते दिनों हमास ऑपरेटिव बुरहान अल खतीब को गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारियों का कहना है कि वह जर्मनी आने से पहले तुर्किए में ही सक्रिय था। जर्मनी में उन संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी टारगेट किया जा रहा है, जिन पर हमास के लिए फंड जुटाने और कट्टरपंथी सोच फैलाने का आरोप है। मोसाद ने दावा किया कि 7 अक्तूबर को इस्राइल पर हमले के बाद से हमास ने अपनी विदेश में गतिविधियों को तेज कर दिया है।

जेलेंस्की को ट्रंप का अल्टीमेटम, बोले- 27 तक शांति योजना स्वीकार करें वरना खो देंगे समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए रखी गई शांति योजना में यूक्रेन के सामने कठिन विकल्प रखा है। ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सामने वाशिंगटन के 28-सूत्रीय प्रस्ताव पर 27 नवंबर तक की समयसीमा (अल्टीमेटम) तय की है।

ट्रंप ने जेलेंस्की ने चेताया, यूक्रेन अपनी गरिमा व आजादी या वाशिंगटन का समर्थन खोने का जोखिम उठा रहा है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप बोले-आगामी सर्दियों में रक्तपात को रोकने की जरूरत को देखते हुए समय बहुत कम है और जेलेंस्की को इस योजना को मंजूरी देनी ही होगी। वह बोले, अमेरिकी शांति योजना रूस का समर्थन करती है। जेलेंस्की को यह प्रस्ताव स्वीकार करना ही होगा, और अगर उन्हें यह पसंद नहीं आता है, तो फिर मुझे लगता है कि उन्हें लड़ते रहना चाहिए। ट्रंप ने कहा, उन्हें कहीं न कहीं कुछ ऐसा स्वीकार करना ही होगा जो अब तक नहीं किया गया है।

यथार्थवादी रास्ता पहचाना : इससे पहले टीवी पर जेलेंस्की ने आगाह किया, देश एक महत्वपूर्ण दौर में है। यूक्रेन एक कठिन विकल्प का सामना कर सकता है। उसके सामने सम्मान की हानि या अहम साझेदार को खोने का खतरा है। ट्रंप

ने ओवल दफ्तर में कहा, मैं मानता हूं कि शांति का एक यथार्थवादी रास्ता पहचान लिया गया है, लेकिन प्रस्ताव जेलेंस्की के हस्ताक्षर से ही आगे बढ़ सकता है।

यूरोप का अटूट समर्थन और चिंताएं : यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए अपने अटूट समर्थन को दोहराया है, रूस की आक्रामकता को यूरोप के लिए ही अस्तित्वगत खतरा मानते हुए जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटिश नेताओं ने जी-7 सदस्यों से बात भी की। सभी ने यूक्रेन को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। जेलेंस्की ने जब कहा कि यूक्रेन को यह चुनना होगा कि वह अपनी गरिमा को जोखिम में डालना चाहता है या एक प्रमुख सहयोगी को खोना चाहता है, तो ट्रंप ने चेतावनी दी कि यूक्रेन अपना भूभाग खो रहा है और कुछ ही समय में खो देगा। जेलेंस्की ने कहा-कीव शांति को संभव बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर अमेरिका और यूरोप के साथ मिलकर काम करने पर सहमत हो गया है।

सीजफायर के बाद भी नहीं मान रहा इस्राइल: गाजा में फिर की एयरस्ट्राइक, 24 लोगों की मौत; अस्पतालों ने की पुष्टि

गाजा, एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने शनिवार को हमास ठिकानों में हवाई हमले किए, जिनमें 24 लोगों की मौत हो गई और 54 लोग घायल हुए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इस्राइली सेना ने दावा किया कि ये हमले उन हमास लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने संघर्षविराम के बावजूद इस्राइल-नियंत्रित क्षेत्र में घुसकर सैनिकों पर गोली चलाई। सेना ने इस घटना को सीजफायर का गंभीर उल्लंघन बताया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि कार्रवाई में हमास के पांच वरिष्ठ सदस्य मारे गए, जबकि हमास ने आरोप लगाया कि इस्राइल बहाने बनाकर युद्ध फिर शुरू करना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका द्वारा कराए गए युद्धविराम के बावजूद इस्राइल अब तक गाजा में 394 हमले कर चुका है, जिनमें 300 से अधिक लोग मारे गए और करीब 700 से ज्यादा घायल हुए। इससे पहले बुधवार को भी आईडीएफ ने गाजा में हमले कर 25 लोगों को मार दिया था, जब इस्राइल ने दावा किया कि हमास ने युद्धविराम का उल्लंघन किया है। कई हमले, कई मोहल्ले तबाह गाजा में कई इलाकों पर एक के बाद एक हुए हमलों ने पूरे माहौल को दहशत से भर दिया। गाजा सिटी के रिमाल क्षेत्र में एक वाहन को निशाना बनाए गए हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए। शिफा अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों में बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं। इसी के साथ, अल-अवदा अस्पताल के पास एक मकान पर हुए हमले में 3 लोगों की जान गई और 11 घायल हुए। नुसेरात कैंप में एक घर पर किए गए हमले में सात लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। दैर अल-बलाह में एक और आवासीय घर को निशाना बनाए जाने से तीन लोगों की मौत हुई, जिनमें एक महिला भी थी। दैर अल-बलाह के खालिल अबू हातब ने भयावह दृश्य बताते हुए कहा अचानक जोरदार धमाका हुआ और चारों तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। यह कैसा संघर्षविराम है? यहां तो कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

वेनेजुएला में तख्तापलट करा सकता है अमेरिका:सीक्रेट ऑपरेशन की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में वेनेजुएला के खिलाफ नया ऑपरेशन शुरू हो सकता है। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का तख्तापलट भी करवा सकता है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत सीक्रेट ऑपरेशन से हो सकती है। अभी साफ नहीं है कि यह कदम कब उठाया जाएगा और इसका दायरा कितना बड़ा होगा, लेकिन इतना जरूर है कि ट्रम्प प्रशासन इसे लेकर काफी गंभीर है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई इलाके में बड़ी संख्या में जहाज, विमान और सैनिक तैनात किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच टकराव की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका बोला- हर तरह की ताकत

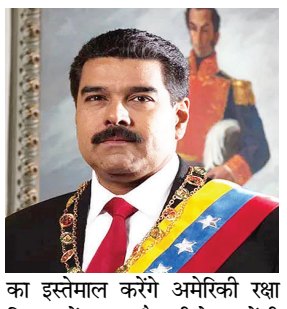

का इस्तेमाल करेंगे अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और सीक्रेट एजेंसी सीआईए इस पूरे मामले पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ड्रग तस्करी रोकने के लिए हर तरह की ताकत का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। कैरेबियाई इलाके में बीते कुछ महीनों से अमेरिकी सेना का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। सबसे बड़ा अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'जेराल्ड आर फोर्ड' और उसके साथ कई युद्धपोत, एक परमाणु पनडुब्बी और स्त्र-35 विमान तैनात किए गए हैं। मादुरो ड्रग तस्करी का आरोप लगा रहा अमेरिका अमेरिका लंबे समय से मादुरो पर आरोप लगाता रहा है कि वह ड्रग तस्करी में शामिल हैं, हालांकि मादुरो इन आरोपों को साफ तौर पर झूठा बताते हैं। दूसरी तरफ मादुरो का कहना है कि अमेरिका उन्हें सत्ता से निकालना चाहता है, लेकिन देश और सेना किसी भी बाहरी दखल का विरोध करेगी। अमेरिकी सेना सितंबर से अब तक दर्जनों ड्रग बोट्स पर हमले कर चुकी है, जिनमें 80 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अमेरिका बिना सबूत के लोगों को मार रहा है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। वेनेजुएला के एयरस्पेस से उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी हालात और तनावपूर्ण तब हो गए जब अमेरिका की फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने वेनेजुएला के ऊपर उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी कर दी। एफएए ने कहा कि वेनेजुएला के एयर स्पेस में मिलिट्री एक्टिविटी बढ़ गई है और जीपीएस सिस्टम में दखल जैसी समस्याएं देखी गई हैं, जो उड़ानों के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। हालांकि वेनेजुएला ने कभी नागरिक विमानों को निशाना बनाने की बात नहीं कही है। इस चेतावनी के बाद कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने वेनेजुएला से उड़ानें रद्द कर दीं। टकराव के बीच दोनों देशों में बातचीत भी जारी इस बीच अमेरिका सोमवार को 'कार्टेल दे लॉस सोल्स' को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करने जा रहा है।

अमेरिका का आरोप है कि मादुरो इस संगठन का नेता है, जबकि मादुरो इसे पूरी तरह नकारते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा है कि आतंकी संगठन घोषित होने के बाद अमेरिका के पास कई नए विकल्प खुल जाएंगे, यानी सैन्य कार्रवाई की संभावना और बढ़ सकती है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बातचीत भी चल रही है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत से तनाव कम होगा या अमेरिकी प्लानिंग में कोई बदलाव आएगा। अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम भी बढ़ाकर 50 मिलियन डॉलर कर दिया है।

नाइजीरिया के कैथोलिक स्कूल पर हमले में 300 से अधिक बच्चों का अपहरण

नाइजर, एजेंसी। नाइजीरिया के नाइजर में बंदूकधारियों ने एक कैथोलिक संस्थान पर शुक्रवार को हमला कर 303 स्कूली छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' (सीएएन) ने यह जानकारी दी। सीएएन ने पहले बताया था कि 215 छात्रों का अपहरण किया गया है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के अध्यक्ष 'मोस्ट रेवरेंड' बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार, ''सत्यापन प्रक्रिया और अंतिम गणना के बाद'' संख्या में बदलाव किया गया। योहाना ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान 88 अन्य छात्रों को ''भागने की

कोशिश करते समय पकड़ लिया गया।'' इनमें लड़के और लड़कियां शामिल हैं और उनकी उम्र 10 से 18 साल के बीच है। हमला और अपहरण की यह घटना 'सेंट मैरीज स्कूल' में हुई, जो अग्वारा स्थानीय सरकार के पापिरी समुदाय में स्थित एक कैथोलिक संस्थान है। नाइजर राज्य पुलिस कमान ने कहा कि अपहरण की घटना तड़के हुई और उसके बाद से इलाके में सेना एवं सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उसने बताया कि सेंट मैरीज एक माध्यमिक विद्यालय है। उपग्रह से ली गई तस्वीरों से पता चलता है कि स्कूल परिसर एक निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा हुआ है और इसमें 50 से अधिक कक्षाएं और छात्रावास हैं। यह येल्वा और मोक्वा कस्बों को जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क के पास स्थित है। स्थानीय निवासी दाउदा चेकुला (62) ने बताया कि अपहृत स्कूली बच्चों में उनके चार पोते-पोतियां भी शामिल हैं, जिनकी उम्र सात से 10 साल के बीच है। नाइजर राज्य सरकार के सचिव द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पूर्व में दी गई खुफिया चेतावनी के बावजूद यह अपहरण हुआ। बयान में कहा गया, ''सेंट मैरीज स्कूल ने राज्य सरकार को सूचित किए बिना या उसकी मंजूरी लिए बिना ही शैक्षणिक गतिविधियां पुनः शुरू कर दीं, जिससे विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अनावश्यक जोखिम का सामना करना पड़ा।'' अभी तक किसी भी समूह ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। योहाना ने राज्य सरकार के इस दावे को झूठा बताया कि नाइजर राज्य के इस क्षेत्र के विद्यालयों को सुरक्षा खतरों के कारण अस्थायी रूप से बंद करने का निर्देश दिए जाने के बावजूद स्कूल को खोला गया।

टैरिफ की धमकी देकर 8 में से 5 युद्धों को रुकवाया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

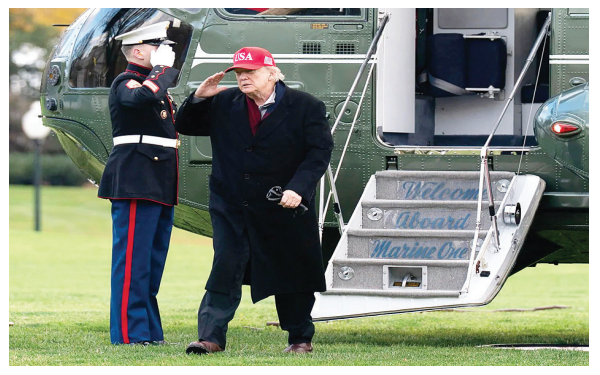

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 8 में से 5 युद्धों को रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यूएस दुनिया भर के देशों से टैरिफ के रूप में खरबों डॉलर कमा रहा है, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर एक लंबे पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'हम विदेशों से टैरिफ और निवेश के रूप में खरबों डॉलर कमा रहे हैं। मैंने आठ में से पांच युद्धों को टैरिफ की धमकी के जरिए रोका है। अगर वे लड़ना बंद नहीं करेंगे या फिर शुरू करेंगे तो टैरिफ लगा दूंगा। डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रोकने का दावा कई बार कर चुके हैं। हालांकि, भारत ने कभी भी ट्रंप की उस सीजफायर समझौते में भूमिका की पुष्टि नहीं की है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर तंज कसते हुए ट्रंप ने दावा किया कि अभी महंगाई लगभग शून्य है, जबकि स्लिपी जो बाइडेन के समय यह अमेरिकी इतिहास में सबसे खराब स्तर पर थी। उन्होंने लिखा, 'स्टॉक मार्केट ने 9 महीनों में 48वीं बार ऑल टाइम हाई छुआ है। जिन देशों ने वर्षों से अपने टैरिफ के जरिए अमेरिका को लूटा है, अब हमारा कोर्ट सिस्टम आपको हमारे देश को बर्बाद करने की इजाजत नहीं देगा। ट्रंप ने किस तरह का टैरिफ लगाया राष्ट्रपति ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अभी अमेरिका अपनी पूरी इतिहास में सबसे अमीर, सबसे मजबूत और सबसे सम्मानित देश है। इसके पीछे का कारण 5 नवंबर 2024 (अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख) और टैरिफ हैं। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम का उपयोग करते हुए टैरिफ लगाए हैं। इनमें बेसलाइन 10 प्रतिशत टैरिफ सभी आयात पर है, जबकि बड़े व्यापार घाटे वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए गए हैं, जो 15 से 41 प्रतिशत तक या इससे अधिक हैं। चीन पर कुल 54, भारत-ब्राजील पर 50, यूरोपीय संघ-जापान पर 15 और कनाडा पर 35 टैरिफ लगाया है। स्टील, एल्यूमीनियम, तांबा पर 50 और कारों पर 25प्रतिशत जैसे प्रोडक्ट स्पेशल टैरिफ भी हैं।

एक और देश में विद्रोह की चिंगारी भड़की, सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ट्यूनिस, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया में भी सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। शनिवार को हजारों की संख्या में लोग राष्ट्रपति काइस सईद के खिलाफ राजधानी ट्यूनिश की सड़कों पर उतरे। लोग राष्ट्रपति सईद की बढ़ती कथित तानाशाही और जेल में बंद राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने 'अन्याय के खिलाफ' बैनर के तले विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व जेल में बंद राजनीतिक कैदियों के परिवारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने किया।

राष्ट्रपति सईद पर न्यायपालिका में दखलअंदाजी का आरोप : प्रदर्शन में हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी शामिल हुए, जिन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। ये प्रदर्शन ऐसे समय हो रहे हैं, जब ट्यूनीशिया आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर परेशानियों से घिरा हुआ है। इससे पहले गुरुवार को ट्यूनीशिया के पत्रकारों ने भी सरकार विरोधी प्रदर्शन किए। दरअसल पत्रकारों ने प्रेस की आजादी को दबाने और प्रमुख नागरिक समाज संगठनों के खिलाफ कार्रवाई विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति सईद न्यायपालिका में दखलअंदाजी कर रहे हैं। साथ ही उन पर अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने आरोप है।

जेल में बंद विपक्षी नेताओं के परिजन विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए : जेल में बंद विपक्षी नेता अब्देलहामिद जलसी की पत्नी मोनिया ब्राहिम ने कहा कि वह मार्च में इसलिए शामिल हुईं क्योंकि उनका मानना है कि कई ट्यूनीशियाई लोगों के साथ बहुत नाइंसाफी हो रही है। मैं एक नागरिक के तौर पर अपने अधिकारों की रक्षा करने आई हूं।' उन्होंने कहा कि 'राजनीतिक कैदी अच्छी तरह जानते हैं कि वे अपने उसूलों, सिविल और पॉलिटिकल

एक्टिविज्म के अपने संवैधानिक हक की कीमत चुकाने के लिए जेल में हैं, और आज ट्यूनीशिया में बनी सरकार उन्हें बंधक बनाए हुए है।' हिरासत में लिए गए लोगों में से कुछ भूख हड़ताल पर हैं, जिसमें संवैधानिक कानून के प्रोफेसर जाहेर बेन म्बारेक भी शामिल हैं, जो 20 दिनों से ज़्यादा समय से हड़ताल पर हैं। ट्यूनीशिया में बढ़ते दमन पर कई मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि 2022 के आखिर से 50 से ज़्यादा लोगों को, जिनमें राजनेता, वकील, पत्रकार और एक्टिविस्ट शामिल हैं, अपनी बात कहने की आजादी, शांति से इकट्ठा होने या राजनीतिक गतिविधि चलाने के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए गिरफ्तार किया गया। राइट्स ग्रुप ने यह भी चेतावनी दी कि बड़े पैमाने पर एंटी-टेररिज्म और साइबरक्राइम कानूनों का इस्तेमाल असहमति को दबाने के लिए किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण : जनरल द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है और ऑपरेशन सिंदूर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। वे मुंबई में माहे श्रेणी के प्रथम पनडुब्बी रोधी उथले जल के युद्धपोत आईएनएस माहे के जलावतरण के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहु-क्षेत्रीय परिचालन के युग में समुद्र की गहराई से लेकर ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक एक साथ मिलकर कार्य करने की देश की क्षमता भारतीय गणराज्य के सुरक्षा प्रभाव को निर्धारित करेगी। इस मौके पर जनरल द्विवेदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण था।'' भारत ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य कार्रवाई की थी।

उत्तराखंड के टिहरी में बस खाई में गिरी, 5 लोगों की मौत

टिहरी (एजेंसी)। उत्तराखंड के टिहरी जिले के नरेंद्रनगर क्षेत्र में सोमवार को करीब 28 यात्रियों को ले जा रही एक बस के गहरी खाई में गिरने से पाँच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के अधिकारियों के अनुसार, जिला नियंत्रण कक्ष ने एसडीआरएफ वाहिनी नियंत्रण कक्ष को दुर्घटना की सूचना दी, जिसमें बताया गया कि वाहन नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र में सड़क से फिसल गया था। शुरुआत में बस में 30 से 35 लोगों के सवार होने का अनुमान लगाया गया था। अलर्ट पर कार्रवाई कर एसडीआरएफ ने पोस्ट ढालवाला, पोस्ट कोटी कॉलोनी और एसडीआरएफ कोर मुख्यालय से पाँच टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया। एसडीआरएफ अधिकारियों ने घटनास्थल पर पाँच लोगों की मौत की पुष्टि की है। अन्य सभी घायल यात्रियों को खाई से निकालकर इलाज के लिए नज़दीकी अस्पतालों में पहुँचाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बस में सवार यात्री कथित तौर पर राज्य के बाहर के थे।

भदौही में केमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत

भदौही (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के उगापुर बाजार स्थित सूर्या कंपनी के डाइंग प्लांट में खौलते केमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सोमवार को लगभग 11 बजे हुआ। घायल मजदूर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसकी हालत नाजुक है। पुलिस और जिला प्रशासन (एसडीएम भदौही) मौके पर हैं और हादसे के कारणों की जांच तथा सुरक्षा मानकों की समीक्षा कर रहे हैं। प्लांट परिसर में हड़कंप और मजदूरों में रोष व भय का माहौल है। वहीं एक अन्य घटना में नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोपी नाबालिग लड़के सूर्यभान यादव (होमगार्ड संजय यादव का बेटा) का शव रविवार को चकवा महावीर के पास स्थित एक तालाब से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। सूर्यभान पर एक स्थानीय महिला की नाबालिग बेटी को 27 अक्टूबर को अपहरण करने का आरोप था (रिपोर्ट 1 नवंबर को दर्ज हुई थी)। पुलिस ने लड़की और सूर्यभान दोनों को 19 नवंबर को बरामद कर लिया था। एक दिन पहले तालाब के पास से आरोपी की पतलून, बेल्ट, आधार कार्ड और पांच पन्नों का कथित सुसाइड नोट मिला था। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है।

चार नए श्रम कानूनों के विरोध में धनबाद में हुआ विरोध प्रदर्शन

रांची (एजेंसी)। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) द्वारा झारखंड के धनबाद में आयोजित अपने राज्य सम्मेलन के दौरान केंद्र सरकार के चार नए श्रम कानूनों (लेबर कोड्स) के विरोध को दर्शाती है सीटू इन चार नए लेबर कोड्स को श्रमिक विरोधी और पूंजीपतियों के हित में बनाया गया मानती है। सीटू ने इन कानूनों के विरोध में राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। सम्मेलन के दौरान, चार नए लेबर कोड और नई श्रमशक्ति नीति 2025 के विरोध में- एक किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई गई, मोदी सरकार का पुतला दहन किया गया। विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व सीटू के राष्ट्रीय महासचिव तपन सेन (पूर्व राज्यसभा सदस्य) ने किया। सीटू ने बताया कि 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है। राजनीतिक-सांगठनिक प्रतिवेदन पर बहस के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। केंद्र सरकार की नई श्रमशक्ति नीति 2025 और लेबर कोड वापस लिए जाएं। सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण का विरोध किया जाए। किसान-मजदूर एकता को मजबूत किया जाए। 26 नवंबर को कार्यस्थलों और जिला मुख्यालयों पर जुझारू विरोध-प्रदर्शन किए जाएं।

पंकजा मुंडे का पीए गिरफ्तार, पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक (पीए) अनंत गर्जे को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गर्जे की पत्नी डॉ गौरी पालवे (28) ने कथित तौर पर घरेलू विवाद के कारण वर्ली स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली। पालवे के पिता द्वारा दर्ज कराई शिकायत के आधार पर पुलिस ने गर्जे और उसके दो रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। इसके बाद पुलिस ने गर्जे को गिरफ्तार किया। दोनों का विवाह इसी साल फरवरी में हुआ था और पालवे सरकारी केईएम अस्पताल में दंत चिकित्सक के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस के मुताबिक पालवे के परिवार ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने उसे प्रताड़ित और परेशान किया था, इसकारण महिला ने आत्मघाती कदम उठाया।

20 दिन में एसआईआर प्रक्रिया के तहत 99.07 प्रतिशत मतदाता विशिष्ट गणना प्रपत्र का वितरण पूरा

भारतीय चुनाव आयोग ने एसआईआर को लेकर दिया ब्यौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम चल रहा है। भारतीय चुनाव आयोग ने बताया कि करीब 20 दिन में एसआईआर प्रक्रिया के तहत 99.07 प्रतिशत मतदाता विशिष्ट गणना प्रपत्र का वितरण पूरा हो गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, गोवा और लक्षद्वीप में गणना प्रपत्र का 100 प्रतिशत वितरण सबसे पहले हुआ है। अभी अंडमान और निकोबार में 99.98 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 99.83 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 99.75 प्रतिशत और गुजरात में 99.69 प्रतिशत गणना प्रपत्र बांटे गए हैं।

चुनाव आयोग रोजाना एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े जारी कर रहा है। नए आंकड़ों के अनुसार, मतदाता संख्या के हिसाब से सबसे बड़े राज्य यूपी में 99.62 प्रतिशत गणना प्रपत्र का वितरण पूरा हुआ है, जहां कुल मतदाता 15.44 करोड़ से अधिक हैं। पुडुचेरी में 95.58

प्रतिशत, तमिलनाडु में 96.22 प्रतिशत और केरल में 97.33 प्रतिशत गणना प्रपत्र बांटने का काम हुआ है।

जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का काम जारी है, उसमें अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

आयोग के अनुसार, 12 राज्यों में 4 नवंबर से जारी एसआईआर प्रक्रिया के तहत कुल योग 50.97 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से अब तक कुल 50.50 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्र बंट चुके हैं। एसआईआर की ऑनलाइन प्रक्रिया ने भी तेजी पकड़ी है और 12 राज्यों में अब तक 24.13 करोड़ से अधिक फॉर्म को अपलोड किया गया है, यानी कुल डिजिटाइजेशन रेट 47.35 प्रतिशत है।

ऑनलाइन प्रक्रिया के मामले में, लक्षद्वीप 96.81 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है। उसके बाद गोवा में 76.89 प्रतिशत और राजस्थान में 72.20 प्रतिशत फॉर्म का डिजिटाइजेशन हुआ है। केरल में सबसे कम डिजिटाइजेशन प्रोग्रेस (सिर्फ 23.72 प्रतिशत) रही है। उत्तर प्रदेश में 26.60 प्रतिशत डिजिटाइजेशन हुआ है।

सिंधुदुर्ग में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से पहले महायुति गठबंधन के टूटने की खबरें

मुंबई (एजेंसी)। सिंधुदुर्ग में आगामी नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से पहले महायुति गठबंधन के टूटने की खबरें है। शिवसेना विधायक नीलेश राणे ने गठबंधन टूटने का दोष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण पर लगाया है। गठबंधन भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व के कारण नहीं, बल्कि चव्हाण के व्यक्तिगत कारणों से टूटा है। राणे और चव्हाण के बीच तनावपूर्ण संबंध बताए गए हैं। शिवसेना विधायक राणे ने सवाल किया कि अगर रत्नागिरी (राजापुर, लांजा) और चिपलुन में सीट बंटवारा संभव था, तब सिंधुदुर्ग में क्यों नहीं? उन्होंने दावा किया कि मालवन में शिवसेना 10 सीटें देने को तैयार थी, और सावंतवाडी में दीपक केसरकर 50-50 फॉर्मूले के लिए तैयार थे। कणकवली में शिवसेना को केवल एक या दो सीट पर चुनाव लड़ने को कहा गया। राणे ने कहा कि प्रचार बैनर से उनकी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की तस्वीरें हटा दी गईं, जिससे उन्हें दुख हुआ। विधायक नीलेश राणे ने चव्हाण के तीन दिन तक सिंधुदुर्ग में रहने पर भी सवाल उठाया और कहा कि वह बाद में बताएंगे कि उनकी बैठकों में क्या निर्णय हुआ। राणे ने कहा कि मतभेद के बावजूद, शिवसेना ने गठबंधन बनाए रखने की कोशिश की। नीलेश राणे ने कहा कि अब वह अपने पिता और भाजपा के वरिष्ठ नेता नारायण राणे के किसी भी निर्णय को स्वीकार करने को तैयार है। सिंधुदुर्ग में शहार विकास आघाडी का गठन हुआ है, जिसमें शिवसेना, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस, और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) शामिल हैं। उन्होंने विवाद को तूल न देने की कोशिश की और कहा कि उनके भाई ने किसी का नाम नहीं लिया है। उन्होंने नीलेश राणे के आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आईआरसीटीसी घोटाला: मामले की सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग

-बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने मुकदमे में पक्षपात की जताई आशंका

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट में याचिका दायर कर आईआरसीटीसी घोटाले की सुनवाई कर रहे जज विशाल गोगने की अदालत से अपना केस किसी और जज के पास ट्रांसफर करने की अपील की है। राबड़ी ने मुकदमे में पक्षपात की आशंका जताई है। गोगने की अदालत में लालू यादव और राबड़ी देवी के परिवार से जुड़े चार मामले की सुनवाई चल रही है। 13 अक्टूबर को अदालत ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों पर आरोप गठित किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबड़ी देवी ने अपनी याचिका में आईआरसीटीसी घोटाला, नौकरी के बदले जमीन घोटाला जैसे मामले दूसरे जज के पास ट्रांसफर करने की गुजारिश की है। राबड़ी ने एमपी-एमएलए कोर्ट के जिला जज की अदालत में दायर इस याचिका में अपने मुकदमों के जज पर पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर सुनवाई करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि जज अभियोजन पक्ष की तरफ झुके हैं। उन्होंने याचिका में लिखा है कि उनके खिलाफ मुकदमों की सुनवाई और उस दौरान दिए गए आदेशों से उन्हें पक्षपात की आशंका है, इसलिए न्यायपूर्ण सुनवाई के लिए मामले को दूसरे जज की कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए।

राबड़ी देवी के वकील ने इस बात की जानकारी संबंधित जज को दी और उन्हें बताया कि इस पर जल्द सुनवाई हो सकती है। संभावना है कि इस अपील पर मंगलवार को सुनवाई हो सकती है। मामले में चार्ज फ्रेम का चरण पूरा हो चुका है। लालू परिवार पर रेलवे की नौकरी दिलवाने के बदले भी औने-पौन भाव पर बेशकीमती जमीन लेने का आरोप है, जिसको लेकर ईडी का मुकदमा भी चल रहा है।

अरुणाचल निवासी महिला से शंघाई एयरपोर्ट पर बदसलूकी, चीनी अफसरों ने कहा... अरुणाचल चीन का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश निवासी एक महिला ने आरोप लगाया कि चीन में अधिकारियों ने उसके भारतीय पासपोर्ट को पहचानने से मना किया। महिला का कहना है कि इमिग्रेशन अफसरों ने इतना तक कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है। महिला का कहना है कि चीनी इमिग्रेशन अफसरों ने शंघाई एयरपोर्ट पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। इतना ही नहीं महिला को हिरासत में लेकर घंटे तक प्रताड़ित किया गया। भारतीय मूल की यह महिला ब्रिटेन में रहती है। इस महिला का नाम प्रेमा वांगजोम थोंकडोक है। वह 21 नवंबर को लंदन से जापान की यात्रा कर रही थी। यात्रा के दौरान वह शंघाई पुडांग एयरपोर्ट पर ट्रांजिट हाल्ट के लिए ठहरी थी। महिला का आरोप है कि इमिग्रेशन काउंडर पर अधिकारियों ने उसके पासपोर्ट को अवैध बताया। ऐसा करने की वजह यह थी पासपोर्ट पर महिला का जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश

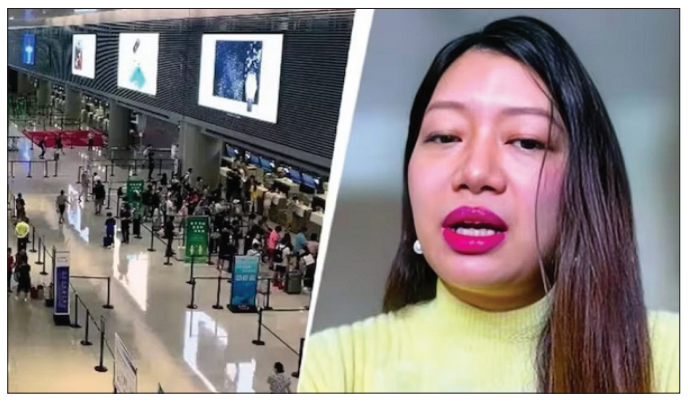

लिखा था।

महिला ने कहाकि इमिग्रेशन के बाद मैंने अपना पासपोर्ट जमा किया और सिक्योरिटी का इंतजार करने लगी। तभी अधिकारी आया और मेरा नाम लेकर इंडिया-इंडिया चिल्लाने लगा। वह मेरी तरफ इशारा भी कर रहा था। महिला के मुताबिक इस पर जब मैंने पूछा, तब वह मुझे इमिग्रेशन डेस्क पर ले गया और कहा कि अरुणाचल, वैध पासपोर्ट नहीं। इस पर जब महिला ने पूछा कि आखिर उसका भारतीय पासपोर्ट वैध क्यों नहीं है? इस पर उस अधिकारी ने कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है।

इसके बाद प्रेमा ने याद किया कि बीते साल भी जब शंघाई ट्रांजिट किया था, जब ऐसा कुछ नहीं हुआ था। महिला का यह भी कहना है कि कई अन्य इमिग्रेशन अधिकारियों और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस स्टाफ ने उसका मजाक उड़ाया। इतना ही नहीं इन लोगों ने चीनी पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने की सलाह दे डाली।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद वह एक ब्रिटिश दोस्त के सहारे किसी तरह शंघाई के भारतीय कांसुलेट पहुंची। इसके बाद वहां भारतीय अधिकारियों ने महिला की मदद की। अब प्रेमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य अधिकारियों को चिट्ठी लिखी है। महिला ने भारतीय सरकार से अनुरोध किया है कि वह इस मामले को बीजिंग में अधिकारियों के सामने उठाए।

कर्नाटक कांग्रेस में दबाव की राजनीति या कुछ और करने दिल्ली पहुंचे शिवकुमार समर्थक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता परिवर्तन के लिए दबाव की राजनीति जारी है। इसके चलते उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली पहुंच रहे हैं। दो समूह पहले ही दिल्ली में डेरा डाले हुए थे, वहीं अब तीसरा समूह, जिसमें लगभग 6 से 8 विधायक शामिल बताए जा रहे हैं, भी राजधानी पहुंच गए हैं। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार गुट के विधायक चाहते हैं कि कांग्रेस हाईकमान नेतृत्व, सत्ता संतुलन और संगठन से जुड़े मामलों पर स्पष्ट रुख दिखाए। पिछले एक हफ्ते में यह तीसरी बार है जब शिवकुमार समर्थक विधायक दिल्ली पहुंचे हैं। लगातार यात्राओं ने बेंगलुरु से दिल्ली तक राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

बेंगलुरु में हैं खड़गे

शिवकुमार समर्थक विधायक भले ही दिल्ली में मुलाकात का समय मांगते हुए डटे हैं, लेकिन इस समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे खुद बेंगलुरु में हैं। सूत्र बताते हैं कि खड़गे की दिल्ली वापसी फिलहाल टाल दी गई है और वे लगातार राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि पार्टी केंद्रीय नेतृत्व किसी जल्दबाजी में कोई फैसला लेने के पक्ष में नहीं है। बेंगलुरु में नेताओं की लगातार बैठकें और दिल्ली में विधायकों की लामबंदी-दोनों घटनाक्रमों को कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ते असंतोष से जोड़ा जा रहा है। हाल ही में हुई डिनर मीटिंग में भी कई नेताओं ने नेतृत्व से कहा था कि वे मौजूदा स्थिति पर स्पष्ट निर्णय दें, जिससे संगठन में बन रही असमंजस की स्थिति खत्म हो सके। हालांकि पूरे घटनाक्रम पर वरिष्ठ नेता खुलकर टिप्पणी करने से बच रहे हैं।

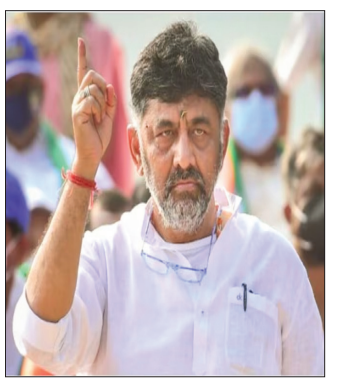

अयोध्या राम मंदिर ध्वजारोहण पर शंकराचार्य ने उठाए सवाल; कहा- पूरा कार्यक्रम ही शास्त्र के विपरीत

वाराणसी (एजेंसी)। अयोध्या में कल 25 नवंबर को एक भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई लोग शिरकत करेंगे। यह भव्य आयोजन ट्रस्ट बड़े ही विशाल रूप में कर रहा है, जिसे लेकर तैयारियां और अनुष्ठान जारी है। वहीं, ध्वजारोहण को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में कहीं ध्वजारोहण जैसी चीज मंदिरों के लिए है ही नहीं। ध्वज बदलने की परंपरा है। यहां सिर्फ और सिर्फ सब मनमाने तरीके से किया जा रहा है। शास्त्रों का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 25 तारीख को ध्वजारोहण का कार्यक्रम हो रहा है। मेरे हिसाब से शास्त्र में ऐसा उल्लेख कहीं नहीं है कि मंदिर पर ध्वजारोहण किया जाए। ध्वजारोहण का कार्यक्रम धार्मिक रूप से कहीं नहीं होता है। मैंने कहीं पढ़ा भी नहीं है। ध्वज बदला जाता है, एक बार जब ध्वज स्थापित होता है। शिखर की प्रतिष्ठा होती है उसके बाद यहां तो शिखर की प्रतिष्ठा हुई ही नहीं। कहा भी न ही कहा जा रहा है कि शिखर की प्रतिष्ठा होगी। मैं जहां भी देख रहा हूं वह यही कह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चंपत राय भी ध्वजारोहण की बात कह रहे हैं। धीरे-धीरे ध्वज ऊपर जाएगा। ध्वजारोहण शब्द शास्त्र में कहीं है ही नहीं, आरोहण का क्या मतलब हुआ, धीरे-धीरे राष्ट्रध्वज ऊपर जाता है, ऐसे कहीं ध्वज मंदिर के ऊपर चढ़ने की परंपरा है ही नहीं। उन्होंने कहा किसी मंदिर में ध्वजारोहण होता ही नहीं है। भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में प्रतिदिन ध्वज बदला जाता है। एक व्यक्ति ध्वज लेकर ऊपर जाता है और उसे बदलता है उसका आरोहण नहीं होता है। द्वारिका जी में एक दिन में तीन से

चार ध्वज बदला जाता है। वहां भी ध्वजारोहण नहीं होता है। ध्वज का बदला जाना तब होगा, जब पहले वहां ध्वज और शिखर की प्रतिष्ठा हो। ऐसी कोई बात कही नहीं जा रही की शिकार की प्रतिष्ठा हो शास्त्र के अनुसार या उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में हमारे भाग लेने का कोई तात्पर्य ही नहीं है। अयोध्या के ट्रस्ट का मन कुछ भी शास्त्र अनुसार करने का नहीं दिखाई पड़ रहा है। उनका कहना है कि इस पूरे आयोजन में शंकराचार्य को बुलाया ही नहीं गया है। मैंने तो शास्त्रों में ऐसा उल्लेख पढ़ा ही नहीं है, जो वहां होने जा रहा है। वहां पर सब कुछ मनमाना किया जा रहा है।

आतंकवाद समर्थकों व युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षा समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जबलपुर (एजेंसी)। जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को आतंकवाद के समर्थकों और युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सिन्हा ने आतंकवादियों के खिलाफ खुफिया अभियानों को तेज करने के लिए कहा। साथ ही आतंकी संगठनों की ओर से कट्टरपंथ और वित्तपोषण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल मंचों की निगरानी के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा।

एलजी सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण, नार्को-आतंकवाद संबंधों, आतंकी समर्थकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के साथ आतंकवाद का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कतई सहन नहीं करने की नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारे समन्वित प्रयास यह तय करेंगे कि जम्मू-कश्मीर से आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह से खत्म हो।

सिन्हा ने अधिकारियों को उभरती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति सतर्क और चौकस रहने के निर्देश दिए। सूत्रों के मुताबिक सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने के साथ-साथ, सर्दियों की तैयारियों, खासकर अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के हालात का भी जायजा लिया। उन्हें जम्मू-कश्मीर में टेरर इकोसिस्टम को खत्म करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी जानकारी दी।

बंगाल की खाड़ी की तरफ बढ़ रहा सेन्यार तूफान, मचा सकता है तबाही

-आईएमडी ने किया अलर्ट, ओडिशा के तटीय इलाकों में हो सकती है बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। समुद्र में बन रहा तूफान भारत में लोगों की धड़कनें बढ़ा रहा है। आशंका है कि इस दौरान 100 किमी की तूफानी हवाएं भारी तबाही मचा सकती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र मजबूत हो रहा है और अगले 48 घंटों में यह एक चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंक जताई जा रही है। आईएमडी ने इसे लेकर अलर्ट जारी कर कहा कि यह सिस्टम 26 नवंबर के आसपास 'चक्रवात सेन्यार' का रूप ले सकता है। इसके असर से ओडिशा के तटीय इलाकों में 25 से 27 नवंबर के बीच बारिश हो सकती है।

आईएमडी के मुताबिक फिलहाल यह सिस्टम मलक्का जलडमरूमध्य और दक्षिण अंडमान सागर के पास सक्रिय है और धीरे-धीरे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। यह सिस्टम अभी मुख्य भूमि से करीब 1,000 किलोमीटर दूर है, इसलिए इसके सटीक रूट और असर के बारे में साफ जानकारी आज शाम तक मिल सकेगी। आईएमडी से संकेत मिल रहे हैं कि यह सिस्टम 24 नवंबर तक डिप्रेशन और 26-27 नवंबर तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। 27 नवंबर के आसपास बंगाल की खाड़ी में हवा की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इससे समुद्र बहुत उग्र होने और दक्षिण ओडिशा के तटीय जिलों में भारी बारिश की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओडिशा के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा है कि राज्य सरकार अलर्ट है और संभावित चक्रवात से निपटने के लिए तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी मशीनरी पूरी तरह तैयार है, चाहे सिस्टम आगे और ज्यादा ताकतवर ही क्यों न हो जाए। यह सिस्टम सबसे पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर प्रभाव डालेगा। इसकी वजह से 26 नवंबर तक द्वीपों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। निकोबार क्षेत्र में 24 और 25 नवंबर को बारिश चरम पर रहने का अनुमान है। हवा की रफ्तार 35-45 किमी प्रति घंटा से शुरू होकर 55 किमी प्रति घंटा तक जा सकती है। 25 नवंबर को गति बढ़कर 65 किमी

प्रति घंटा होने की आशंका है।

इस तूफान के रूट को लेकर अभी अनिश्चितता बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिक आकलन लगा रहे हैं कि 26 नवंबर के बाद यह तूफान तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ेगा या उत्तर की ओर मुड़कर ओडिशा-बांग्लादेश की दिशा लेगा। फिलहाल लोगों को नियमित मौसम अपडेट पर नजर रखने की सलाह दी गई है। आईएमडी ने मछुआरों को 25 नवंबर तक अंडमान सागर और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में समुद्र में न जाने की सलाह दी है। यह चेतावनी 28 नवंबर तक जारी रहेगी। समुद्री इलाकों और निचले तटीय क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन निगरानी बढ़ा चुका है।

तूफान का नाम 'सेन्यार' क्यों?

इस तूफान का नाम 'सेन्यार' नाम रखा है जिसका अर्थ है 'शेर'। यह नाम संयुक्त अरब अमीरात ने सुझाया था और यह विश्व मौसम संगठन और संयुक्त राष्ट्र के चक्रवात नामकरण पैनल की स्वीकृत सूची का हिस्सा है। उत्तर हिंद महासागर में बनने वाले अगले तूफान के लिए इसी नाम का क्रम था। बंगाल की खाड़ी का सिस्टम जैसे-जैसे ताकत पकड़ रहा है, पूर्वी तट के सभी राज्यों को अलर्ट पर रखा गया है।